CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 107 ता. 19 अक्टूबर 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भारत का टीकाकरण कार्यक्रम

कोविड-19 के खिलाफ जंग में भारत का टीकाकरण कार्यक्रम सबसे प्रभावी होगा: मोदी

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भरोसा जताया कि कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग में भारत का टीकाकरण कार्यक्रम सबसे प्रभावी साबित होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इसमें सबकी सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के एक ट्वीट के बाद प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए यह टिप्पणी की। धामी ने ट्वीट किया था कि प्रदेश में सभी पात्र व्यक्तियों को कोविड रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। मोदी ने ट्वीट किया कि महामारी के खिलाफ देश की जंग में उत्तराखंड की यह उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है।

कोविड संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत

आपको बतां दे कि देश में कोविड महामारी के प्रकोप को रोकने का अभियान तेजी से चल रहा है जिसके कारण कोविड संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत और संक्रमण मुक्त होने की दर 98.12 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि 19582 कोविड रोगी पिछले 24 घंटों में संक्रमण मुक्त हो गये हैं। अभी तक कुल तीन करोड़ 34 लाख 39 हजार 331 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर रिकॉर्ड 98.12 पर आ गयी है । पिछले 24 घंटे में 13596 नए कोविड संक्रमण के मामले सामने आए हैं। देश में अभी एक लाख 89 हजार 694 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है। संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान देशभर में 12 लाख पांच हजार 162 कोविड टीके दिए गए हैं। इसके साथ ही आज सुबह 7:00 बजे तक कुल 97 करोड 79 लाख 47 हजार 783 कोविड टीके दिए जा चुके थे। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कुल नौ लाख 89 हजार 493 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में 59 करोड़ 19 लाख 24 हजार 874 परीक्षण किए हैं।

राहुल गांधी को मिली कोर्ट से राहत, मानहानि मामले में 13 नवंबर तक टली सुनवाई

(एजेंसी):

अदालत ने महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे की सुनवाई 13 नवंबर तक टाल दी है। उनके वकील ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे द्वारा दाखिल मानहानि का मामला, 2014 में भिवंडी में एक चुनावी रैली में राहुल गांधी के भाषण से संबंधित है। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि 2014 के मामले में सुनवाई 16 अक्टूबर को भिवंडी शहर में एक मजिस्ट्रेट के समक्ष होनी थी। उन्होंने कहा कि चूंकि बंबई उच्च न्यायालय ने 16 अक्टूबर को अवकाश घोषित किया था, इसलिए उस दिन सुनवाई के लिए सूचीबद्ध सभी मामलों को 13 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया गया है। कांग्रेस सांसद ने रैली में आरोप लगाया था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे आरएसएस का हाथ था। कुंटे ने महात्मा गांधी और आरएसएस के संबंध में कांग्रेस नेता की टिप्पणी को भड़काऊ और आपत्तिजनक करार दिया था और भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। राहुल गांधी कई बार अदालत में पेश हो चुके हैं और एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि वह मामले में दोषी नहीं हैं।

पहला कॉलम

सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे नरवणे

नेशनल डेस्क- सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को जम्मू पहुंचे। नरवणे ऐसे समय में जम्मू पहुंचे है, जब पुंछ जिले में सुरक्षा बलों तथा आतंकवादियों के बीच आठ दिनों से मुठभेड़ चल रही है। इस दौरान दो जूनियर कमीशन अफसर सहित नौ सैनिक शहीद हुए हैं। रक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों ने कहा, जनरल नरवणे यहां आज अपराह्न पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सेना प्रमुख नियंत्रण रेखा पर संचालन संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा, ''सेना प्रमुख शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और आतंकवादियों के लिए जारी अभियानों, एलओसी की स्थिति विशेषकर पुंछ में चल रही मुठभेड़ के बारे में जानकारी लेंगे।

देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 221 दिनों में सबसे कम

नयी दिल्ली, देश में एक दिन में कोरोना के 13596 नये मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 34081315 हो गयी, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 189694 रह गयी, जो 221 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 166 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,52,290 पर पहुंच गयी। कोरोना वायरस के एक दिन में सामने आने वाले नये मामले लगातार 24वें दिन 30 हजार से कम हैं और लगातार 113वें दिन संक्रमण के दैनिक मामले 50 हजार से कम हैं। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.56 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम हैं, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.12 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। इस महामारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में पिछले 24 घंटों में 6,152 की कमी आयी है। रविवार को कोविड-19 के लिए 9,89,493 नमूनों की जांच होने के साथ देश में अब तक जांचे गए नमूनों की संख्या 59,19,24,874 हो गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण की दैनिक दर 1.37 प्रतिशत दर्ज की गयी। पिछले 49 दिनों से यह तीन प्रतिशत से कम है।

यूपी 22 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रहा है- योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि इस त्योहारी सीजन में उनकी सरकार बाहरी स्त्रोतों से 22 रुपये प्रति यूनिट तक की कीमत पर बिजली खरीद रही है क्योंकि वह त्योहारों के उल्लास को कम नहीं करना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम दिनों में इतनी ही बिजली 7 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से खरीदी जाती थी। उत्तर प्रदेश कोयले की कमी से बिजली संकट का सामना कर रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले ओबीसी समुदाय तक पहुंचने के लिए भाजपा द्वारा शुरू किए गए एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पहली बार बिजली के संकट को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने कहा, हम किसी भी जिले में बिजली संकट क् कार्नण उत्सव खराब नहीं होने देंगे। राज्य सरकार गरीबों के घरों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाति, समुदाय, क्षेत्र या धर्म के लोगों के उत्साह को बनाए रखने के लिए बिजली मुहैया कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा, यह पिछली सरकारों के विपरीत है जब बिजली की आपूर्ति कुछ ही जिलों में की जाती थी जबकि अन्य को अंधेरे में छोड़ दिया जाता था। मुख्यमंत्री का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि लगातार बारिश के कारण कोयला खदानों में पानी के रिसने के बाद कोयला संकट के दौरान निजी कंपनियां पैसा कमा रही थीं। योगी आदित्यनाथ ने बिजली अधिकारियों से कहा कि वे संकट को कम करने के लिए केंद्र और कोल इंडिया लिमिटेड के साथ तेजी से समन्वय करें, जिससे आर्थिक रूप से बीमार यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की स्थिति और खराब होने का खतरा है।

समुद्री और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है नौसेना: राजनाथ

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि दुनिया में प्रभुत्व जमाने के लिए नौसेना का सशक्त होना जरूरी है और यह अच्छी बात है कि भारतीय नौसेना समुद्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में मजबूती के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सिंह ने सोमवार को यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन के दूसरे चरण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा ,'' हमारे देश की भौगोलिक स्थिति कई मामलों में अनूठी है। तीन तरफ से विशाल सागरों से घिरा होने के चलते हमारा देश सामरिक , व्यापारिक और संसाधनों की दृष्टि से बहुत अधिक महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढावा देने के लिए शांति और स्थिरता का माहौल जरूरी है और इसमें नौसेना की भूमिका बेहद अधिक महत्वपूर्ण है। देशों के बीच आर्थिक तथा राजनीतिक संबंध बहुत तेजी से बदलने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक हितों के चलते संबंधों में कुछ तनाव भी उत्पन्न होते हैं। इसे देखते हुए व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढावा देने के लिए भारतीय समुद्री क्षेत्रों में शांति तथा स्थिरता कायम रखने की बहुत अधिक जरूरत है। आने वाले समय में समुद्री क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की भूमिका कई गुना बढने वाली है। उन्होंने कहा कि केवल वही राष्ट्र दुनिया में अपना प्रभुत्व जमा पाने सफल रहे हैं जिनके पास सशक्त नौसेना है और मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारी समुद्री और राष्ट्रीय सुरक्षा में नौसेना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री क्षेत्र का जिम्मेदार देश होने के नाते भारत हिन्द महासागर क्षेत्र में आम सहमति पर आधारित सिद्धांतों , शांति और नियमों पर आधारित व्यवस्था का पक्षधर है।

वह ऐसी व्यवस्था का समर्थन करता है जिसमें नौवहन की स्वतंत्रता और मुक्त व्यापार के साथ सभी देशों के हितों संरक्षण हो। इस समुद्री क्षेत्र में महत्वपूर्ण देश होने के चलते सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय नौसेना की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने संतोष जताया कि नौसेना अपनी जिम्मेदारी को बखुबी निभा रही है।

किसानों के रेल रोको आंदोलन से राजस्थान में ट्रेन यातायात प्रभावित

जयपुर। लखीमपुर खीरी कांड की जांच और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग को लेकर किसानों के रेल रोको विरोध प्रदर्शन के कारण राजस्थान में सोमवार को उत्तर-पश्चिम रेलवे के अंतर्गत कुल 18 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, जबकि 10 को आंशिक रूप से निलंबित कर दिया गया। इससे हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, गंगानगर और चुरू जिलों में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। फुलेरा-रेवाड़ी लाइन पर चलने वाली एक ट्रेन को भी निलंबित कर दिया गया। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, भिवानी-रेवाड़ी, सिरसा-रेवाड़ी, लोहारू-हिसार, सूरतगढ़-बठिंडा, हनुमानगढ़-सदरलपुर और श्रीगंगानगर-रेवाड़ी रेल ब्लॉक के तहत विभिन्न जिलों, भूमि अवरुद्ध क्षेत्रों में किसान पटरियों पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने जयपुर रेलवे स्टेशन में भी घुसने की कोशिश की, लेकिन रेलवे पुलिस ने उन्हें रोक दिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांधी नगर रेलवे स्टेशन, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, कनकपुरा स्टेशन, जगतपुरा आदि स्टेशनों के पास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। किसानों ने महिलाओं और युवाओं के साथ स्टेशन के प्रवेश द्वार पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की।

महाराष्ट्र में थियेटरों को अग्नि एवं ढांचा सुरक्षा जांच के बाद ही खोला जाना चाहिए: उद्धव ठाकरे

(एजेंसी)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि राज्य में थियेटर और सिनेमा हॉल को उचित अग्नि एवं ढांचा सुरक्षा जांच के बाद खोला जाना चाहिए। राज्य में 22 अक्टूबर से सिनेमा हॉल और थियेटर खुल रहे हैं। ''सिनेमा ऑनर्स एवं एक्जिबिटर्स एसोसिएशन'' के पदाधिकारियों के साथ यहां बैठक में ठाकरे ने कहा कि एकल स्क्रीन वाले सिनेमा हॉल की वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वित्त विभाग के साथ मिलकर उचित हल ढूंढा जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया, ''मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज कहा कि राज्य में सिनेमा हॉल को उचित अग्नि एवं ढांचा सुरक्षा जांच के साथ खोला जाना चाहिए।''

''पूना एक्जिबिटर्स एसोसिएशन'' के एक प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि राज्य सरकार विभिन्न लाइसेंस नवीनीकरण में छूट देने के साथ ही सिनेमा लाइसेंस का नवीनीकरण निःशुल्क करे। साथ ही इसने जीएसटी भुगतान के बाद सेवा शुल्क के तौर पर प्रति टिकट 25 रुपये लेने की अनुमति दिए जाने की भी मांग की। एसोसिएशन की तरफ से नितिन दातार, निमेश सोमैया, सदानंद मोहोल, अशोक मोहोल और प्रकाश चाफलकर ने मुख्यमंत्री के समक्ष मांगें रखीं। इस मौके पर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार, राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, परिवहन मंत्री अनिल परब, गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल, पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। शरद पवार ने ट्वीट किया, ''बैठक के दौरान आश्वस्त किया गया कि राज्य सरकार फिल्म प्रदर्शन व्यवसाय को पुनर्जीवित करने के लिए हरसंभव सहयोग देगी।''

आतंकी घटनाओं के बीच जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

(एजेंसी):

घाटी में जारी आतंकी हमलों के बीच सोमवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसके अलावा पीयूष गोयल जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी मिले। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि आज श्रीनगर में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जी तथा दुबई के सुल्तान अहमद बिन सुलयम जी के साथ प्रेस वार्ता को संबोधित किया। दुबई के साथ कश्मीर में विभिन्न परियोजनाओं के विकास हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए, जो यहां के विकास में अहम भूमिका निभायेंगे। वहीं, गोयल अनंतनाग के खानाबल स्थित एक स्कूल में भी पहुंचे। उन्होंने यहां अध्यापकों और प्रशासन से बातचीत की। उन्होंने बताया कि आज अपने जम्मू कश्मीर प्रवास के दौरान अनंतनाग के खानाबल में स्थित विद्यालय के अध्यापकों व प्रशासन से बातचीत करने का अवसर मिला। कश्मीर के विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये तैयार हैं, और विद्यालय उनकी प्रतिभा को निखारने में अहम योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने टैक्सटाइल क्षेत्र में काम कर रहे कामगारों से भी मुलाकात की। गोयल ने पहलगाम, कश्मीर में आज टेक्सटाइल्स, हैंडीक्राफ्ट्स, हॉर्टिकल्चर, कृषि आदि से जुड़े विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभार्थियों को ट्राइसाइकल, बेबी किट्स सहित सब्सिडाइज़्ड मिल्क वैन खरीदने हेतु स्वीकृति पत्र भी वितरित किये। उन्होंने बताया कि अपने कश्मीर प्रवास में आज पहलगाम में क्षेत्र के जन

प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के साथ सार्थक विचार विमर्श हुआ। कश्मीर की प्रगति को लेकर यहां के लोगों में उत्साह है, जो कश्मीर में विकास की गति को और अधिक तेज करेगा।गौरतलब है कि घाटी में पिछले एक हफ्ते के अंदर कई जगहों से आतंकी घटनाओं की खबरें सामने आई हैं। जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी लोगों को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हालांकि, भारतीय सेना ने भी आतंक के खिलाफ कई क्षेत्रों में ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में अब तक करीब 9 जवान शहीद हो चुके हैं। बीते रविवार को जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने दो बाहरी लोगों को गोली का निशाना बनाया।

जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक का बड़ा बयान, कहा-

मेरे शासन में आतंकी श्रीनगर में घुस भी नहीं पाते थे

(एजेंसी)।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में गतिविधियों को लेकर जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर और फिलहाल मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक बड़ा बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक ने कहा है कि जम्मू कश्मीर के गवर्नर के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान आतंकी श्रीनगर तो क्या, श्रीनगर के 50-100 किलोमीटर की दूरी तक भी नहीं आ पाते थे। उन्होंने आगे कहा कि उस समय कोई आतंकी श्रीनगर की बॉर्डर में प्रवेश नहीं कर पाता था, मगर आज आतंकी श्रीनगर में गरीबों की हत्या कर रहे हैं। सत्यपाल मलिक ने इन हत्याओं पर दुख जारी करते हुए कहा कि आंतकियों के खिलाफ सरकार को कोई ठोस कदम उठाने चाहिए।

किसानों की नहीं सुनी तो यह सरकार दोबारा नहीं आयेगी: सत्यपाल मलिक

वहीं मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों का समर्थन करते हुए कहा है कि अगर किसानों की नहीं सुनी गई तो यह केंद्र सरकार दोबारा नहीं आयेगी। रविवार को झुंझुनूं में संवाददाताओं से बातचीत में मलिक ने कहा कि लखीमपुर खीरी मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का इस्तीफा उसी दिन होना चाहिए था। लखीमपुर खीरी मामले में मिश्रा के इस्तीफा नहीं दिए जाने पर मलिक ने कहा ''बिल्कुल गलत है यह, लखीमपुर मामले में मिश्रा का इस्तीफा उसी दिन होना चाहिए था। वो वैसे ही मंत्री होने लायक नहीं हैं।

मलिक ने कहा कि जिनकी सरकारें होती हैं उनका मिजाज थोड़ा आसमान में पहुंच जाता है उन्हें यह दिखता नहीं है कि इनकी तकलीफ कितनी है, लेकिन वक्त आता है जब उन्हें देखना भी पड़ता है और सुनना भी पड़ता है। अगर किसानों की नहीं मानी गई तो यह सरकार दोबारा नहीं आयेगी।'' मलिक ने किसानों से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''किसानों के साथ ज्यादती हो रही है, वो 10 महीने से पड़े हैं, उन्होंने घर बार छोड़ रखा है, फसल बुवाई का समय है और वे अब भी दिल्ली में पड़े हैं तो उनकी सुनवाई करनी चाहिए सरकार को।''

CMYK

सार समाचार

अखिलेश की पार्टी के बागी नितिन अग्रवाल बने यूपी विधानसभा के डेप्युटी स्पीकर, बीजेपी ने दिया पूरा समर्थन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी समर्थित समाजवादी पार्टी के बागी विधायक नितिन अग्रवाल सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुये। अग्रवाल ने सपा उम्मीदवार नरेंद्र वर्मा को हराया। विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने बताया कि कुल 368 सदस्यों ने मतदान किया जिसमें से 364 मत वैध पाये गये। इसमें से नितिन अग्रवाल को 304 तथा नरेंद्र वर्मा को 60 मत मिले। इससे पहले लगभग 11.45 बजे मतदान शुरू हुआ जो दोपहर तीन बजे तक चला और करीब चार बजे परिणाम घोषित हुआ। विपक्षी बसपा और कांग्रेस के विधायकों ने चुनाव का बहिष्कार किया। तीसरे कार्यकाल के विधायक नितिन अग्रवाल राज्य के पूर्व मंत्री नरेश अग्रवाल के बेटे हैं, जिन्होंने हाल ही में समाजवादी पार्टी से भाजपा का दामन थामा है। वह पूववर्ती समाजवादी पार्टी की अखिलेश यादव सरकार में मंत्री थे। परंपराओं के अनुसार, प्रमुख विपक्षी दल के एक विधायक को विधानसभा का उपाध्यक्ष बनाया जाता है।

बेंगलुरु में बारिश के बाद सड़कों पर बने गड्ढे भरने का काम युद्धस्तर पर किया जाएगा : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि बारिश के बादशहर में सड़कों पर बने गड्ढों को भरने का काम युद्धस्तर पर किया जाएगा। बोम्मई ने यहां कहा, '' मैं (सड़कों में) गड्ढों के बारे में जानकारियां जुटा रहा हूं और मैं इसे लेकर एक विशेष बैठक एवं निरीक्षण भी करूंगा। चूंकि अभी लगातार वर्षा हो रही है, ऐसे में हम सभी जगह उन्हें भरने का काम नहीं कर पाये। '' उनसे शहर में सड़कों में गड्ढों को लेकर सवाल पूछा गया था क्योंकि इन गड्ढों की वजह से वाहन चालकों और सवारियों पर हादसे का खतरा बना रहता है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि बारिश के बाद शहर में सड़कों पर बने गड्ढों को भरने का काम युद्धस्तर पर किया जाएगा। बेंगलुरु विकास विभाग का भी प्रभार संभाल रहे बोम्मई कल शहर के कुछ हिस्सों में गये थे जो बारिश से प्रभावित हुए हैं। बोम्मई ने कहा कि सरकार बृहद बेंगलुरू महानगर पालिके (बीबीएमपी) और बेंगलुरु जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के साथ मिलकर शहर में नाली एवं सीवेज जल पृथक्करण को लेकर एक मास्टर प्लान बना रही है।

मेरठ में मासूम बच्ची की नाले में गिरने से मौत

नई दिल्ली। मेरठ के लिसाड़ीगेट इलाके में रविवार रात घर के बाहर खेल रहीं मासूम की नाले में गिरने से मौत हो गई। बच्ची खेलते खेलते घर से बाहर निकल आई थी... घर पर बच्ची के न मिलने पर जब परिजनों और आसपास के लोगों ने देखा तो दो घंटे बाद मासूम के पहने हुए कपड़े नाले में दिखाई दिए। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बच्ची को बाहर निकाला। तब तक बच्ची की मौत हो गई। मासूम की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक तारापुरी निवासी फाजिल कपड़े की सिलाई का काम करता है। रविवार रात करीब पौने दस बजे फाजिल अपने घर में कपड़े सिल रहा था। फाजिल की पत्नी सीबा खाना बना रही थी। फाजिल की 6 माह की बेटी फाइजा करीब रात 10 बजे वॉकर से खेलते हुए अचानक घर के बाहर आ गई। जिसके बाद बच्ची घर के बाहर से जा रहे 4 फीट गहरे नाले में गिर गई। बारिश के चलते नाले में पानी भी अधिक था। बच्ची को तलाशने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। पूर्व पार्षद अबरार अहमद भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने हंगामा किया तो इंस्पेक्टर लिसाड़ीगेट उत्तम राठौर व नगर निगम की टीम भी पहुंची। जहां 2 घंटे की मशक्कत के बाद बच्ची को बाहर निकाला गया। तब तक बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद परिवार के लोगों को रो रोकर बुरा हाल था।

घरेलू विवाद में महिला ने दो बच्चों के साथ तालाब में लगाई छलांग, दो की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले के परिहारा पुलिस चौकी अंतर्गत बहुआरा गांव में सोमवार सुबह कथित तौर पर घरेलू विवाद को लेकर एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ तालाब में छलांग लगा दी जिससे महिला और उसकी ढाई वर्षीय पुत्री की मौत हो गई,वहीं छह वर्षीय पुत्र किसी तरह तालाब से सुरक्षित बाहर निकल आया। परिहारा पुलिस चौकी के प्रभारी चंद्र प्रकाश महतो ने बताया कि रंधीर राम की पत्नी सबिता कुमारी (26) तथा ढाई वर्षीय पुत्री की घटना में मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि रंधीर का छह वर्षीय पुत्र तालाब से सुरक्षित बाहर निकल आया। महतो ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

मुस्लिम महिला का हलाला के नाम पर हुआ बलात्कार, योगी सरकार ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला जालौन के कदौरा थानाक्षेत्र के गांव की एक महिला को तीन तलाक देने के बाद दो बार उसका जबरन हलाला कराये जाने के घिनौने कृत्य को गंभीरता से लेते हुए जबरन हलाला कराये जाने की जांच करा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही है।हलाला के नाम पर बलात्कार का शिकार हुई महिला न्याय के लिए भटक रही थी और पीड़िता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी। जलौन के पुलिस अधीक्षक पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मुस्लिम महिला के साथ हलाला के नाम पर बलात्कार किए जाने की शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसपी जालौन को कार्रवाई का आदेश दिया था। शिकायती पत्र के मुताबिक, पीड़िता की शादी कानपुर देहात के पुखरायां निवासी नसीम अली के साथ वर्ष 2014 में हुई थी। पति व ससुराल वाले दो लाख रुपये और बाइक की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक प्रताडऩा देने लगे। शादी के कुछ वर्षों बाद ससुराल पक्ष ने उसे घर से निकाल दिया तो वह मायके आ गई।

जो पार्टी सैनिकों का सम्मान नहीं कर सकती, वो देश हित का नहीं सोच सकती : जयराम ठाकुर

नाचन।(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवार को नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जाछ और स्यांज में जनसभाएं की। इस दौरान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेसी नेताओं को यह बात रास नहीं आ रही कि भारतीय जनता पार्टी ने एक पूर्व सैनिक को प्रत्याशी बनाया है। इसीलिए कांग्रेस के नेता लगातार सेना और सैनिकों पर निशाना साध रहे हैं। जनता समझ सकती है कि जो पार्टी सेना का सम्मान नहीं कर सकती, वह कैसे देश हित के बारे में कुछ सोच सकती है।

जाछ और स्यांज में बारिश के बावजूद भारी संख्या में लोग जनसभा में मौजूद रहे। जाछ में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने अपने भाषण की शुरुआत बड़ा देव कमरूनाग के जयकारे के साथ की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले तीन सालों से हमने गरीबों के लिए काम करने की कोशिश की है। ऐसी दर्जनों योजनाएं चलाई जिनका फायदा सीधा गरीब व्यक्ति को मिल रहा है। मुख्यमंत्री हिमकेयर योजना, सहारा योजना और मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना इसके उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, '50 साल तक कांग्रेस सत्ता में रही लेकिन उसने कभी गरीबों के लिए काम नहीं किया। कांग्रेसियों को केवल सत्ता चाहिए थी, कुर्सी चाहिए थी। जब मैं सीएम बना तो अधिकारियों से पूछा कि गरीबों के लिए क्या-क्या योजनाएं हैं, उन्होंने जवाब दिया कि कोई योजना नहीं है। 50 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद आम लोगों के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा से ही सेना को सम्मान देने का काम किया है लेकिन कांग्रेस हमेशा सेना का अपमान करती रही है। मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस की स्थिति को देखते हुए कई बार मैं अपना सिर पकड़ लेता हूं कि आखिर कांग्रेस के इन नेताओं को क्या गया है। कांग्रेस में होड़ मची है कि कौन ज्यादा चिल्ला के बोल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्यादा बोलने और ज्यादा उछल कूद से कोई नेता नहीं बनता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'वीरभद्र सिंह जी बहुत वरिष्ठ नेता थे, हम उनका सम्मान करते हैं। आज वीरभद्र जी हमारे बीच नहीं हैं। शायद कांग्रेस पार्टी को ये लगा कि उनकी सहानुभूति के कारण उनके परिवार को टिकट दिया जाना चाहिए, उसका लाभ होगा। हमारी पार्टी ने तय किया कि हम परिवार के लोगों को टिकट नहीं देंगे। वहीं एक परिवार ऐसा भी है जो पार्टी के दशकों से चला रहा है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हमारी पार्टी में आम कार्यकर्ता को तरजीह दी जाती है। आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमाचल से हैं।'

जयराम ठाकुर ने कहा कि ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर को हमने प्रत्याशी बनाया है यह कुछ लोगों को रास नहीं आया है। कहने लगे कि सेना के लोगों को राजनीति में नहीं आना चाहिए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि एक सच्चे और ईमानदार आदमी को राजनीति मे क्यों नहीं आना चाहिए? ऐसे लोगों से आपको

क्या परहेज है जिनकी वजह से हम आज चैन की नींद सोते हैं? हम लोग सैनिकों का कर्ज अदा कर ही नहीं सकते हैं।

सीएम ने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है, आज हर सैनिक छाती चौड़ी करके चलता है। आज पाकिस्तान की एक गोली का जवाब गोले से दिया जाता है। इस दौरान उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और कारगिल युद्ध का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता सेना के जवानों पर टिप्पणी करते हैं। हमारी सरकार ने हमेशा शहीदों का सम्मान किया है। उनके परिवारों के लिए जो बन सकता था वो मदद की। कारगिल की लड़ाई को वो छोटी-मोटी लड़ाई मानते हैं। उन्होंने कहा जो पार्टी सैनिकों का सम्मान नहीं कर सकती, वो पार्टी इस देश के लिए अच्छी भावना भी नहीं रख सकती। इसी वजह से आज पूरे देश से कांग्रेस का सफाया हो रहा है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीद पूर्ण चंद को भी याद किया जो नाचन विभानसभा से संबंध रखते थे।

गुजरात में ईद-ए-मिलाद के जुलूस में सीमित क्षेत्र में 400 लोग शामिल हो सकेंगे

अहमदाबाद।(एजेंसी)।

गुजरात सरकार ने सोमवार को कहा कि राज्य में ईद-ए-मिलाद के जुलूस में सीमित क्षेत्र में 400 तक की संख्या में लोग शामिल हो सकेंगे। कांग्रेस के तीन विधायकों-गयासुद्दीन शेख, इमरान खेडावाला और मोहम्मद जावेद पीरजादा के आग्रह के एक दिन बाद राज्य सरकार ने यह घोषणा की। इन विधायकों ने सरकार से आग्रह किया था कि जुलूस में लोगों के शामिल होने की संख्या 15 से बढ़ाकर 400 तक की जानी चाहिए। गुजरात सरकार ने राज्य में ईद-ए-मिलाद समारोह को रविवार को मंजूरी दे दी थी और घोषणा की थी कि कोविड-19 महामारी की स्थिति को देखते हुए कुछ प्रतिबंधों के साथ मंगलवार को जुलूस निकाला जा सकता है।

गृह विभाग द्वारा रविवार को जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया था कि पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मंगलवार को मनाए जाने वाले ईद-ए-मिलाद के जुलूस में एक वाहन और 15 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते। राज्य सरकार द्वारा रविवार को अधिसूचना जारी किए जाने के बाद, शेख और दो अन्य मुस्लिम विधायकों ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर संबंधित नियम पर नाराजगी व्यक्त की और उनसे गुजरात में कोविड-19 संबंधी मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार एक जुलूस में 400 तक की संख्या में लोगों के शामिल होने की अनुमति देने का आग्रह किया। सरकार ने आज जारी स्पष्टीकरण में कहा कि यदि जुलूस किसी क्षेत्र में, मुहल्ले में या सड़क पर निकलता है और उस क्षेत्र से बाहर नहीं जाता है तो इसमें 400 लोग शामिल हो सकते हैं। गुजरात सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि यदि जुलूस संबंधित क्षेत्र से बाहर जाता है तो रविवार को जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार इसमें 15 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते।

सरकार ने रविवार को यह भी कहा था कि राज्य के आठ शहरों में जारी रात्रिकालीन कर्फ्यू के मद्देनजर जुलूस केवल दिन में ही निकाले जा सकते हैं और ये अपने इलाकों में ही सीमित रहने चाहिए, जिससे कि ये कम से कम समय में पूरे हो सकें। विज्ञप्ति में कहा गया कि वर्तमान में, गुजरात के आठ प्रमुख शहरों में रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक रात का कर्फ्यू है, जहां राज्य सरकार पहले ही 400 लोगों की सीमित संख्या के साथ धार्मिक, राजनीतिक या सामाजिक समारोह आयोजित करने की अनुमति दे चुकी है। इस महीने की शुरुआत में, राज्य सरकार ने कोविड-19 के चलते आठ शहरों-अहमदाबाद, वड़ोदरा, सूरत, राजकोट, गांधीनगर, जामनगर, जूनागढ़ और भावनगर में रात्रिकालीन कर्फ्यू को 10 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया था।

बजरंग रामलीला कमेटी बटऊपुर में राम वनवास के साथ सीता हरण का मंचन किया गया

सूरत भूमि, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। आज बजरंग रामलीला कमेटी बटऊपुर जैतापुर रतिपुर गोविंदपुर के मंच पर कैकेई कोप भवन राम बनवास खर दूषण वध सीता हरण का मंचन किया गया जिसमें कैकेई की किरदार में भुपेश पाण्डेय,दशरथ के रूप में राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय समेत कई सम्मानित कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से समस्त ग्रामवासियों के साथ बजरंग रामलीला कमेटी बटऊपुर की सोभा बढ़ाया।

देसही देवरिया में आयोजित की गयी विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता रामलखन सहानी, देवरिया।

सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विकास खण्ड देसही देवरिया के सभागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के सचिव आरिफ निसामुद्दीन खान के मार्गदर्शन में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी द्वारा वहॉ उपस्थित समस्त आम जनमानस को विधिक जानकारियॉ दी। उन्होंने कहा यदि किसी महिला का पारिवारिक विवाद हो जाता हैं और वह उसका निपटारा चाहती हैं तो वह एक प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकती हैं। उस मामलें में कार्यालय द्वारा नोटिस भेजकर विपक्षी पक्ष को बुलाया जाता हैं और दोनों पक्षों को सुलह के आधार पर उस मामलें को निस्तारित किया जाता हैं। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता एवं सुलह-समझौता केन्द्र एक ऐसा प्लेटफार्म हैं जहॉ दोनों पक्ष आकर अपने समस्या का समाधान पाते हैं इससे दोनों पक्षों का समय तथा धन दोनों की बचत होती हैं उन्होंने महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि महिलाओं को समान कार्य हेतु समान वेतन, समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार हैं। तथा शासन के द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से बताते हुए कार्यक्रम में उपस्थित आम जनमानस को जागरूक किया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामप्रधान, आशा, एवं सैकड़ों की संख्या में आमजनमानस उपस्थित रहें।

लार में चौकीदार के पुत्र को जिंदा जलाया

सलेमपुर/देवरिया ।

लार थाना क्षेत्र के रक्सा ग्राम सभा के रहने वाले चौकीदार उत्तम यादव के पुत्र राजन यादव उम्र 30 वर्ष जो कि अपने घर के बरामदे में सो रहे थे की आधी रात को उनके ऊपर कुछ अज्ञात लोगों ने किरोसिन का तेल छिड़क कर आग लगा दिया जिससे ओ बुरी तरह झुलश गए आग लगने के बाद राजन के चीखने चिलाने पर स्वजन व परिजन राजन के समीप पहुचे और आग पर किसी तरह काबू पाया उसके बाद राजन को लार सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहाँ से डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर देवरिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया फिर देवरिया सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने राजन की स्थिति को देखते हुए उनको गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहा इलाज के दैरान राजन की मौत हो गई मौत से पहले का राजन का वीडियो सामने आया है जिसमे राजन ने जलाने का आरोप लगाया है ।

देवरिया जिला सपा उपाध्यक्ष ने जिले मे हो रही हत्या एवं अपराध पर सरकार को घेरने कि कोशिश

संवाददाता रामलखन सहानी, बरहज, देवरीया।

अवधेश चौधरी जीला उपाध्यक्ष बिधान सभा छेत्र बरहज दौरा करते हुवे कार्यकर्ता को सोबोन्धित करते हुवे सरकार पर जमकर निशाना साधा देवरिया जिला में इस समय हत्या हर रोज कानून बेस्वत:खत्म हो हो चुकी है देवरिया के श्री प्रकाश मणि छोटू मणि की हत्या क़ानून व्यवस्था की पोल खोल दिया जिसमें तरकुलहाँ निवाशी धर्मेंद्र यादव व रोहवार मंटू मिश्रा की हत्या दु:खद कानून व्यवस्था ध्वस्त है इस सरकार में गरीब लोगों डरे सहमे है मंगाई बेरोजगारी चरम पर है सभा मे उपस्ति उनके सहयोगी अमरजीत यादव शिबू पांडये रोहित तिवारी अनमोल कोनाजिया राहुल सिंह भगवान खरवार रामकरन मोर्या अनिल भारतीय।

सरकारी योजनाओं की हकीकत जानने का कार्य जारी-आदर्श व्यवस्था पार्टी

संवाददाता रामलखन सहानी,

आज आदर्श व्यवस्था पार्टी के पदाधिकारियो और कार्यकर्ताओं ने तरकुलवा ब्लॉक के बसंतपुर धुसी, बालपुर श्रीनगर, बालपुर श्रीनगर तरकुलावा, लक्ष्मीपुर, रतन पूरा केसरीपुर गाओं का भ्रमण करने के बाद खण्ड विकास अधिकारी के समक्ष धरना दिया और विकास खण्ड तरकुलवा के गावों में जनकल्याणकारी योजनाओं में हुई धांधली की जाँच करने की मांग किया. ज्ञातव्य है कि आदर्श व्यवस्था पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्त्ता जनपद के सभी ब्लॉकों के गावों में सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए भ्रमण शील हैं और जनता से सीधे संवाद करके उनकी समस्याओं और शिकायतों को लिपिबद्ध कर रहे हैं. भ्रमण के दौरान यह बात खुलकर आ रही है कि ग्रामविकास अधिकारी ग्राम प्रधानों की दूरभिसन्धि से योजनाओं का लाभ अपात्रों को पैसे के बल पर दे दिया गया है और गरीब पात्रों को आज भी उपेक्षित रखा गया है. दिनांक 17-102021से 18-10-2021 को अपरान्ह 1-00 बजे तक पार्टी ने जनता के साथ ब्लॉक का घेराव किया और मांगो से सम्वन्धित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी तरकुलवा को को सौंपा. और गावों में हुई धांधली की जाँच करने और दोषी ग्राम विकास अधिकारीयों को दण्डित करने की मांग की. धरने को संवोधित करते हुए पार्टी के अध्यक्ष राम प्रताप सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पात्रों को योजनाओं का लाभ नहीं मिला और दोषियों को दण्डित नहीं

किया तो पार्टी ब्लॉक के गेट पर ताला बंदी करने को बाध्य होगी. इस अवसर पर विजय प्रसाद, महेश चौहान, रमेश यादव, अयोध्या साहनी, रामनाथ प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्त्ता और आम लोग उपस्थित थे.

ससुराल आए युवक की सड़क हादसे में मौत, साली घायल

संवाददाता रामलखन सहानी,

बरहज थाना क्षेत्र में पैना-सतरांव मार्ग पर पिंडी के जमसड़ा गांव निवासी मनोज (30) पुत्र रामसुदीन की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मनोज अपने ससुराल गड़ौना आया था, जो पत्नी की बहन अनामिका को लेकर बैंक से पैसा निकालने पैना जा रहा था। हादसे में अनामिका को भी चोटें आई हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मनोज सोमवार को ससुराल गड़ौना आया । मनोज सुबह अपनी पत्नी शशिप्रभा की बहन अनामिका के साथ बाइक से इलाहाबाद बैंक पैना जा रहा था। सुबह करीब साढ़े नौ बजे पैना-सतरांव मार्ग पर बाइक अनियंत्रित हो गई। जिससे मनोज और अनामिका घायल हो गए।

दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मनोज को मृत घोषित कर दिया। मनोज के मौत की जानकारी होने पर पत्नी शशिप्रभा दहाड़े मारकर रोने लगी जबकि माता मीना देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

मनोज तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वह लॉकडाउन में गांव आया था। परिजनों का कहना है कि मनोज रविवार को पत्नी और पुत्र लकी कुमार (07), श्रेया (05) और विक्की (03) के साथ ससुराल गड़ौना आया था। मनोज की मौत से घर जमसड़ा और ससुराल गड़ौना मैं शोक की लहर है। इंस्पेक्टर टीजे सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।

सार समाचार

केरल में बारिश: दलाई लामा ने जान-माल की क्षति पर दुख जताया, वित्तीय सहायता की घोषणा की

धर्मशाला। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने सोमवार को केरल में भारी बारिश और भूस्खलन की वजह से जान-माल की क्षति पर दुख प्रकट किया तथा राहत एवं बचाव कार्य के लिए वित्तीय सहायता की पेशकश की। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को लिखे एक पत्र में दलाई लामा ने कहा, '' मैं आपके प्रति, और बाढ़ में अपनों को खोने वाले परिवारों तथा प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट करता हूं।'' उन्होंने कहा, '' मैं समझता हूं कि राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकरण जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं और राहत पहुंचाने की व्यवस्था बेहतर तरीके से जारी है। इस आपदा में, मैं भी दलाई लामा न्यास से बचाव एवं राहत कार्य के लिए दान देना चाहूंगा।'' भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की वजह से केरल में मरने वालों की संख्या 22 तक पहुंच गई है।

तंजानिया ने पर्यटन रिकवरी के लिए 3.91 करोड़ से ज्यादा डॉलर आवंटित किया

डार ए सलाम। तंजानिया ने कोरोना महामारी से प्रभावित पर्यटन क्षेत्र में सुधार लाने के उद्देश्य से 23 परियोजनाओंके क्रियान्वयन के लिए 3.92 करोड़ से ज्यादा डॉलर आवंटित किए हैं। यह जानकारी एक कैबिनेट मंत्री ने दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्राकृतिक संसाधन और पर्यटन मंत्री, दमास नदुम्बारो ने वाणिज्यिक राजधानी दार एस सलाम में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह फंड सितंबर में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा स्वीकृत 56.725 करोड़ डॉलर का हिस्सा था। आईएमएफ ने तत्काल स्वास्थ्य, मानवीय और आर्थिक लागतों को संबोधित करके महामारी के जवाब में अधिकारियों के प्रयासों का समर्थन करने के लिए रैपिड क्रेडिट सुविधा और रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट के तहत तंजानिया को आपातकालीन वित्तीय सहायता में धनराशि को मंजूरी दी। नदुम्बारो ने कहा कि लागू की जाने वाली परियोजनाओं में बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण, सुरक्षा प्रणालियों की स्थापना, पर्यटकों के बीच कोविड-19 संक्रमण के परीक्षण के लिए मोबाइल परीक्षण किट की खरीद और परिवहन सुविधाओं का अधिग्रहण शामिल है। अधिकारी ने कहा, ये परियोजनाएं विभिन्न पर्यटक आकर्षणों तक पहुंच को आसान बनाएंगी और बाद में पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम ने 2030 से ज्यादा जलवायु लक्ष्य के लिए समर्थन से किया इंकार

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री बरनबी जॉयस ने कहा कि उनकी पार्टी 2030 जलवायु लक्ष्य को बढ़ाने का समर्थन करेगी, इसकी बहुत कम संभावना है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को नेशनल पार्टी के सदस्य जो लिबरल पार्टी के साथ गवर्निंग गठबंधन बनाते हैं, एंगस टेलर से लिबरल की जलवायु योजना पर ऊर्जा और उत्सर्जन में कमी के बारे में मंत्री से सुनने के लिए मिले, लेकिन चार घंटे के बाद आम सहमति की स्थिति तक पहुंचने में असमर्थ रहे। यह तब सामने आया जब प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन संयुक्त राष्ट्र सीओपी26 जलवायु शिखर सम्मेलन के लिए ग्लासगो की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनसे 2050 शून्य लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध होने की उम्मीद है। सदस्यों ने इस कदम के खिलाफ चेतावनी दी है कि यह खनन और विनिर्माण जैसे उत्सर्जन-भारी उद्योगों में क्षेत्रीय नौकरियों को खतरे में डाल देगा। बैठक से पहले राष्ट्रीय नेता और उप प्रधानमंत्री जॉयस ने कहा कि पार्टी को शून्य लक्ष्य का समर्थन करने के लिए प्रेरित नहीं किया जाएगा और अधिक महत्वाकांक्षी 2030 लक्ष्य के लिए समर्थन से इंकार कर दिया। ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में 2005 के स्तर से 2030 तक उत्सर्जन को 26-28 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य बना रहा है, लेकिन रिपोर्टें ने सुझाव दिया है कि नई जलवायु योजना में एक संशोधित लक्ष्य शामिल हो सकता है।

सऊदी अरब ने कोरोना के एहतियाती उपायों में ढील दी

रियाद। सऊदी अरब ने कोरोना के खिलाफ एहतियाती उपायों में ढील देना शुरू कर दिया क्योंकि देश में कोरोना के ताजा मामलों में कमी देखी गई है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया कि नागरिक उड्डयन के सामान्य प्राधिकरण (जीएसीए) ने सभी हवाई अड्डों के संचालन की पूरी क्षमता से घोषणा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच, राज्य यात्रियों के टीकाकरण की स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा। पिछले हफ्ते, सऊदी के आंतरिक मंत्री ने 100 से कम दैनिक नए संक्रमणों की रिपोर्टिंग के साथ, कोरोना वायरस प्रसार को आसान बनाने के आधार पर निवारक उपायों को आसान बनाने के लिए नए निर्णयों की घोषणा की। रविवार से अब कई जगहों पर मास्क पहनना अनिवार्य नहीं है। निर्णयों में सामाजिक भेद नियमों को रद्द करना और सभाओं, सार्वजनिक स्थानों, परिवहन, रेस्तरां और सिनेमाघरों में पूरी क्षमता की अनुमति देना शामिल है। सऊदी स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा और यह तय करेगा कि आईसीयू में मरीजों सहित अस्पताल में भर्ती कोरोना मामलों में वृद्धि के मामले में निवारक उपायों को कड़ा करने की आवश्यकता है या नहीं। सऊदी स्वास्थ्य अधिकारी देशव्यापी टीकाकरण अभियान और वायरस के प्रसार को सीमित करने के कदमों के लिए नए कोरोनोवायरस मामलों में कमी का श्रेय देते रहे हैं।

भारत और इजराइल के समाजों को कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसी एक समान चुनौतियां: जयशंकर

यरूशलम। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां भारतीय-यहूदी समुदाय तथा भारत संबंधित विषयों के विद्वानों से कहा कि भारत और इजराइल के समाजों को कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसी एक समान चुनौतियों समेत भूराजनीतिक परिदृश्य पर उभरते कई घटनाक्रम का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्री के तौर पर इजराइल की अपनी पहली यात्रा पर यहां पहुंचे जयशंकर ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों में भारतीय यहूदी समुदाय के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। उन्होंने विश्वास जताया कि इजराइल में भारतीय यहूदी समुदाय आने वाले वर्षों में दोनों देशों को और करीब लाएगा। जयशंकर ने कहा कि बीते चार वर्षों में यह इजराइल का उनका तीसरा दौरा है लेकिन हर बार यहां से लौटते वक्त उन्हें अहसास होता है कि यात्रा अधूरी रही है। उन्होंने कहा, ''भारत की तरह ही इस जगह को भी समझने और खोजने के लिए पूरा जीवन लग जाएगा। इसलिए यहां, एक ऐसी भूमि पर वापस आकर मुझे खुशी मिलती है जिसके साथ हमारे सदियों पुराने संबंध हैं, और ऐसे लोगों के बीच आकर भी, जो इन संबंधों को पोषण देने वाली गर्भनाल की तरह हैं।

कीमतों में बढ़ोतरी, ऊपर से सर्दी की मार, जिंदगी से जूझ रहे अफगानी

काबुल। युद्ध से परेशान और नकदी की तंगी से जूझ रहे देश में अफगान लोग आगामी सर्दियों के मौसम से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां अधिकांश लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं और वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बुनियादी दैनिक जरूरतों को मुश्किल से पूरा कर पाने की स्थिति में हैं। लकड़ी के खरीदार यार मोहम्मद ने समाचार एजेंसी को बताया, बिजली की खरीद दिन-ब-दिन कम होती जा रही है और लोग सर्दी से निपटने और ठंड के मौसम में अपने घरों को गर्म रखने के लिए लकड़ी या अन्य जरूरी चीजें खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं।मोहम्मद ने कहा कि दैनिक जरूरतों की आसमान छूती कीमतों ने आम लोगों को परेशान कर दिया है। सीमाओं को बंद करने और विदेशों में अफगान संपत्ति को फ्रीज करने से अफगानों के लिए आर्थिक समस्याएं पैदा हुई हैं। मोहम्मद ने गुस्से में कहा, सीमाएं बंद हैं, बैंकों में सामान्य गतिविधियां नहीं हो रही है और विदेशों में अफगानिस्तान की संपत्तियां जब्त कर ली गई हैं। अगस्त के मध्य में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से अमेरिका ने कथित तौर पर 10 बिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति फ्रीज कर दी है, जिसके कारण एक अनिश्चित स्थिति पैदा हो गई है जहां बैंक खाता मालिकों ने अपनी पूंजी निकालना शुरू कर दिया है और स्थानीय बैंक प्रत्येक सप्ताह 200 डॉलर से अधिक नहीं दे सकते हैं।

बांग्लादेश में अब इस्लामिक कट्टर-पंथियों ने हिंदुओं के 65 घर फूंके

ढाका (एजेंसी)।

नवरात्रि से बांग्लादेश में हिंदुओं के मंदिर और पंडालों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों के शुरू हुए हमले बदस्तूर जारी हैं. अब तो हिंदुओं के घरों को भी निशाना बनाया जाने लगा है. अब पता चला है कि रविवार रात को चरमपंथियों ने रंगपुर के पीरगंज में 65 से ज्यादा हिंदुओं के घरों में आग लगा दी. इनमें से 20 घर तो पूरी तरह से जल कर खाक हो गए. इसके पहले दुर्गा पूजा के पंडाल में मूर्ति खंडित किए जाने के मामले सामने आए थे. यही नहीं, इस्कॉन के मंदिर में भी तोड़-फोड़ की गई थी. स्थानीय संघ परिषद के अध्यक्ष के मुताबिक कम से कम 65 हिंदुओं के घरों पर हमला कर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया.

आपत्तिजनक पोस्ट से उपजा तनाव

हिंदुओं के घरों में आग लगाए जाने के पीछे एक सोशल मीडिया पोस्ट को जिम्मेदार बताया जा रहा है. बताते हैं कि एक शख्स ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट डाल दिया था, जिसके बाद तनाव पैदा हो गया. अफवाहों का बाजार गर्म होते ही उपद्रवियों ने उस शख्स के घर पर हमला बोल दिया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसको तो सुरक्षा प्रदान कर दी, लेकिन उपद्रवियों ने आसपास के घरों को आग के हवाले कर दिया. ढाका ट्रिब्यून के अध्यक्ष मोहम्मद सादकुल इस्लाम ने बताया कि उपद्रवी जमात-ए-इस्लामी और छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिविर की स्थानीय इकाई के छात्र थे.

विगत हफ्ते भर से जारी हैं हिंदुओं पर हमले

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों पर सोमवार को गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने बयान दिया था. उन्होंने कहा था कि जानबूझ कर देश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इन हमलों के पीछे एक सोची-समझी साजिश है. उन्होंने कहा था कि हमलों की जांच की जा रही है, जो भी दोषी होगा उसे सजा दी जाएगी. गौरतलब है कि बांग्लादेश में 13 अक्टूबर से हिंदुओं पर हमले शुरू हुए हैं. पहले दुर्गा पंडालों को निशाना बनाया गया और फिर हिंदुओं पर हमला किया गया. इन कट्टरपंथी घटनाओं में चार हिंदुओं की मौत हो गई थी, वहीं 60 से ज्यादा घायल हो गए थे. इसके बाद इस्कॉन मंदिर को भी निशाना बना तोड़फोड़ की गई थी.

तबाही के नए-नए हथियारों को बनाने में जुटा चीन, अब किया कुछ ऐसा जिससे अमेरिका भी हुआ हैरान

बरेली (उप्र)। (एजेंसी)।

दुनिया पर बादशाहत साबित करने की होड़ में चीन ने अंतरिक्ष में महाविनाशक प्रयोग किया है। चीन ने अंतरिक्ष में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने ये परीक्षण अगस्त के महीने में ही किया था लेकिन इसका खुलासा अब हुआ है। मिसाइल ने पहले धरती का चक्कर लगाया फिर टारगेट पर हाइपरसोनिक स्पीड से दौड़ पड़ी। चीन की तरह अंतरिक्ष से मिसाइल दागने की क्षमता अभी किसी अन्य देश के पास नहीं है।हाइपरसोनिक तकनीक में अमेरिका की बढ़त को देखते हुए चीन ने आक्रामक तरीके से इस मिसाइल की तकनीक पर काम करना शुरु किया है।

चीन के अलावा चार देश कर रहे तकनीक पर काम

हाइपरसोनिक मिसाइलों के मामले में चीन की तरक्की को देखकर अमेरिका की एजेंसिया भी हैरत में हैं। हाइपरसोनिक मिसाइल वो होते हैं जो आवाज की रफ्तार से भी तेज गति से हमला करते हैं। नई रिपोर्ट के अनुसार चीन का ये परीक्षण नाकाम हुआ। लेकिन इससे ये पता चलता है कि चीन तबाही के नए-नए हथियारों को बनाने में जुटा हुआ है। चीन के अलावा अमेरिका, रूस, उत्तर कोरिया समेत कम से कम चार देश हाइपरसोनिक तकनीक पर काम कर रहे हैं।

ड्रैगन की स्पेस मिसाइल कितनी खतरनाक?

- दुनिया के बड़े से बड़े एयर डिफेंस सिस्टम इस स्पेस मिसाइल के सामने बेकार हैं।

- रूस के एस-500 डिफेंस सिस्टम के अलावा कोई इस मिसाइल को नहीं रोक सकता है।

- एटम बम ले जाने में सक्षम ये मिसाइल दुनिया की दूसरी मिसाइलों की तुलना में बेहद खतरनाक है।

- चीन की इस हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम को दुनिया के बड़े से बड़े रडार नहीं पकड़ सकते हैं।

तालिबान की राह पर पाकिस्तान, 35 फीसदी ने माना- देश में नहीं है महिलाएं सुरक्षित

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में 35त्न लोगों का मानना है कि देश में कोई भी महिला सुरक्षित नहीं है, 43प्र. का मानना है कि महिलाएं कुछ हद तक ही सुरक्षित हैं, जबकि केवल 20प्र. का मानना है कि देश में महिलाएं सुरक्षित हैं. इस बात का खुलासा पल्स कंसल्टेंट द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है. एक सर्वेक्षण के दौरान 18,000 से अधिक पाकिस्तानियों ने अपने विचार साझा किए है. पाकिस्तान में महिलाओं को असुरक्षित देखने वाले ज्यादातर पाकिस्तानी खैबर पख्तूनख्वा से हैं, जबकि उन्हें सुरक्षित मानने वाले ज्यादातर सिंधी हैं. पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लगातार चर्चा चल रही है. इस नए सर्वेक्षण से पाकिस्तान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े हो गए हैं. कराची स्थित मार्केट रिसर्चर पल्स कंसल्टेंट द्वारा किए गए सर्वेक्षण में कहा गया है कि कम से कम 18,000 पाकिस्तानियों ने अपने विचार साझा किए है. सर्वेक्षण से पता चला है कि खैबर पख्तूनख्वा के 35प्र. नागरिक पाकिस्तान में महिलाओं को कुछ हद तक सुरक्षित मानते हैं, जबकि केवल 19प्र. ही उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित मानते हैं. इसी तरह, पंजाब में 35 प्रतिशत लोगों ने पाकिस्तान में महिलाओं को असुरक्षित माना है. 41 प्रतिशत ने उन्हें कुछ हद तक सुरक्षित माना है जबकि 21 प्रतिशत लोगों ने उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित माना है.

सर्वे में सिंध से पाकिस्तान में महिलाओं को असुरक्षित मानने वालों की दर 26प्र. थी, जबकि उन्हें कुछ हद तक सुरक्षित मानने वालों की दर 49प्र. थी. इस बीच, सर्वेक्षण के 24प्र. लोगों ने उन्हें देश में पूरी तरह से सुरक्षित माना है. सर्वेक्षण से पता चला है कि पाकिस्तान में कुछ हद तक महिलाओं को सुरक्षित देखने वाले ज्यादातर पाकिस्तानी बलूचिस्तान से हैं, जहां 74 फीसदी लोगों ने इसकी पुष्टि की है. जबकि बलूचिस्तान के 19 फीसदी नागरिकों ने पाकिस्तान में महिलाओं को असुरक्षित माना है. प्रांत के केवल 7प्र. लोगों ने उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित देखा है.

निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को असुरक्षित देखने वालों की दर 35 प्रतिशत: सामाजिक स्थिति पर आधारित सर्वेक्षण में संकलित आंकड़े बताते हैं कि निम्न वर्ग के 45प्र. लोगों का मानना है कि पाकिस्तान में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं. निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को असुरक्षित देखने वालों की दर 35 प्रतिशत, मध्यम वर्ग से 30 प्रतिशत, उच्च-मध्यम वर्ग से 29 प्रतिशत जबकि उच्च वर्ग से 34 प्रतिशत थी. इस बीच, लिंग पर आधारित आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में उनकी सुरक्षा के मामले में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक सकारात्मक थीं. पाकिस्तान में सिर्फ 29प्र. महिलाओं का मानना है कि वे घर के बाहर सुरक्षित हैं।

इजराइल ने कोरोना रोकने उठाया ठोस कदम, सार्वजनिक स्थलों के लिए बूस्टर शॉट जरूरी

तेल अवीव (एजेंसी)।

इजराइल ने अपने 'ग्रीन पास' प्रतिबंधों को लागू करना शुरू कर दिया है. विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर केवल उन लोगों के लिए प्रवेश को सीमित कर दिया है, जिन्हें तीसरा कोविड -19 बूस्टर शॉट मिला है. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन पास का प्रवर्तन, कोरोनो वायरस से लड़ने के लिए इजरायल सरकार की योजना का हिस्सा, रविवार को दो सप्ताह से अधिक की देरी के बाद शुरू हुआ. नए दिशा-निर्देशों के तहत एक व्यक्ति को पूरी तरह से टीका लगवाने और ग्रीन पास प्राप्त करने के योग्य होने के लिए कोरोना वायरस वैक्सीन की तीसरी खुराक प्राप्त करनी होगी. जो लोग हाल ही में स्वस्थ हुए हैं वे भी इसके पात्र होंगे.

ग्रीन पास छह महीने के लिए वैध बारकोड है जो रेस्तरां, कैफे, बार, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों, सिनेमा, शादियों, जिम, सम्मेलनों और होटलों सहित विभिन्न स्थानों में प्रवेश को सक्षम बनाता है. नए नियमों का पालन करने के लिए, ये वेन्यू अब प्रवेश की अनुमति देने से पहले क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए बाध्य होंगे. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ग्रीन पास 3 अक्टूबर से शुरू होना था, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था.

सितंबर की शुरूआत से दैनिक मामलों की संख्या में लगभग 80 प्रतिशत की कमी के साथ इजराइल में नए संक्रमणों और गंभीर बीमारी में तेज गिरावट के बीच यह कदम उठाया गया है. अगस्त के अंत में 766 गंभीर मामलों के बाद रविवार को यह संख्या गिरकर 388 हो गई. प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने अपनी साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में कहा, 'यह कहा जा सकता है कि सावधानी के साथ हम चौथी लहर को हरा रहे हैं.' हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि डेल्टा वेरिएंट के त्वरित प्रसार से प्रेरित मौजूदा प्रकोप अभी खत्म नहीं हुआ है.

बेनेट ने कहा कि हमें अभी भी सावधानी बरतनी है, मास्क नहीं हटाना है. हम टीकों और परीक्षणों जारी रखेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल सरकार एक और संभावित कोरोना वायरस लहर की तैयारी कर रही है. उन्होंने कहा कि हम ओमेगा परिदृश्य के लिए बुनियादी ढांचा तैयार कर रहे हैं. एक नए वेरिएंट के लिए कोड नाम और निश्चित रूप से फ्लू और कोरोना वायरस के संयोजन के लिए हम सर्दी की तैयारी कर रहे हैं.

केट मिडलटन की शाही शादी से लेकर जेम्स बॉन्ड प्रीमियर तक के बेस्ट गाउन, जिसे देखकर आप भी कहेंगे WOW!

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

शादी समारोह हो या किसी प्रीमियर में शामिल होना हो ब्रिटेन के शाही जोड़े हमेशा से ही अपने अवतार से लोगों का दिल जीतते आ रहे है। अपने शाही कार्यकाल के दौरान, केट अलग-अलग तरीके के फॉर्मल गाउन में नजर आई है।आज हम आपके सामने केट के शाही शादी से लेकर जेम्स बॉन्ड प्रीमियर तक के सबसे अच्छे लुक वाले 5 गाउन पेश करने जा रहे है जिसे देखकर आपका भी मन खुश हो जाएगा।

1-28 सितम्बर 2021 को नई जेम्स बॉन्ड फिल्म, नो टाइम टू डाई के प्रीमियर आयोजित किया गया था जिसमें फिल्म के स्टारकास्ट समेत शाही जोड़ा भी शामिल था। इस प्रीमियर के दौरान डचेस ऑफ कैम्ब्रिज ने बॉन्ड गर्ल की पोशाक पहनी थी। उनका यह शानदार गाउन गोल्डन कलर का था जिसमें शानदार कढ़ाई की गई थी। इस केप गाउन को डचेस के पसंदीदा डिजाइनरों में से एक जेनी पैकहम द्वारा तैयार किया गया था।

2- 2 फरवरी 2020 को बाफ्टा फिल्म पुरस्कार आयोजित हुआ था। इस आयोजन में शाही जोड़ा भी शामिल हुआ था। केट ने इस आयोजन में एक सफेद और सोने की अलेक्जेंडर मैक्वीन की पोशाक पहनी थी, जिसे उन्होंने शुरू में 2012 में मलेशिया में पहना था। उन्होंने इस पोशाक को वैन क्लीफ और अर्पेल्स हार और झुमके के साथ पहना था।

3- 11 दिसंबर 2019 को जिस गाउन को पहले राजकुमारी डायना ने पहना था उसी गाउन को डचेस ने बकिंघम पैलेस में एक राजनयिक कोर के स्वागत में पहना था।उन्होंने एक साधारण ब्लैक वेलवेट गाउन के साथ कई एक्सेसरीज को पहना था।

4- 15 अक्टूबर 2019 को शाही जोड़े ने पाकिस्तान का दौरा किया था। ड्यूक एंड डचेस ऑफ कैम्ब्रिज के पाकिस्तान के शाही दौरे के दौरान, केट ने पाकिस्तान में ब्रिटिश उच्चायुक्त द्वारा आयोजित एक विशेष स्वागत के लिए एक शानदार पन्ना हरा, लंबी आस्तीन का गाउन पहना था।

5- 18 फरवरी 2018 को जब केट प्रेगनेंट ती तब भी उन्होंने हरे रंग के गाउन को बहुत अच्छे से पहना था। पन्ना के गहनों के साथ केट के उपर यह गाउन अलग से ही नजर आ रहा था। बता दें कि वह और प्रिंस विलियम लंदन में बाफ्टा में शामिल हुए थे।

6- 10 अप्रैल 2016 को शाही जोड़े ने भारत का दौरा किया था। मुंबई में आकर्षक लग रही केट ने नीले, कढ़ाई वाले गाउन और मैचिंग शॉल पहनी थी।

शाही शादी

29 अप्रैल 2011 को शाही जोड़े की शादी हुई जिसमें केट का कोई भी गाउन उनकी शादी की पोशाक से ज्यादा खूबसूरत नहीं है। बता दें कि, केट की शादी का पोशाक अलेक्जेंडर मैक्वीन में सारा बर्टन द्वारा डिजाइन किया गया है। यह गाउन 9 फुट लंबी थी। केट ने बकिंघम पैलेस में शाम के रिसेप्शन के लिए शादी की दूसरी पोशाक पहनी थी। केट की यह गाउ स्ट्रैपलेस थी जिसे श्रग के सथ कैरी किया गया था। इस गाउन को भी अलेक्जेंडर मैक्वीन में सारा बर्टन द्वारा डिजाइन किया गया था।

संपादकीय

टीकाकरण की प्रशंसा

भारत के टीकाकरण अभियान की प्रशंसा स्वागतयोग्य होने के साथ ही पूरी दुनिया के लिए अनुकरणीय भी है। विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मलपास ने शनिवार को वाशिंगटन में भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट के दौरान कोरोना वायरस बीमारी के खिलाफ सफल टीकाकरण अभियान के लिए भारत को बधाई दी है। गौर करने की बात है कि भारत 100 करोड़ खुराक के महत्वपूर्ण पड़ाव को पार करने वाला है। कोरोना खुराक के मामले में भारत महज चीन से ही पीछे है। चीन के आंकड़ों पर अगर विश्वास किया जाए, तो वहां दो अरब से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। अगर संख्यात्मक तुलना करें, तो भारत टीकाकरण में अमेरिका से दो गुना से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इस मोर्चे पर बाकी देश भारत से बहुत पीछे है। भारत ने अपनी आबादी को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण के मोर्चे पर बेहतरीन काम किया है। टीकाकरण भारत में जिस तरह की चुनौती था, उसे देखते हुए यह पड़ाव बहुत उल्लेखनीय है और विश्व बैंक की ओर से अगर भारत की तारीफ हो रही है, तो हमें इस दिशा में और प्रेरित होकर काम करना चाहिए। अब जरूरी है कि वैक्सीन उत्पादन और वितरण में भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका का विस्तार हो। भारत की ख्याति एक वैक्सीन उत्पादक देश के रूप में है और भारत ने कोरोना वैक्सीन के मामले में अपनी आबादी का टीकाकरण करने के लिए दुनिया के दूसरे देशों को वैक्सीन देने का काम रोक रखा है। हालांकि, अब हम ऐसी स्थिति में पहुंच रहे हैं कि भारत सरकार कभी भी कोरोना वैक्सीन का निर्यात शुरू कर देगी। भारत की अपनी कोवैक्सीन को दुनिया के सात देशों ने मंजूरी दे रखी है। हमें अपने वैक्सीन के निर्यात के लिए कोशिशें ज्यादा तेज करनी चाहिए। विशेष रूप से अफ्रीका के देश टीकाकरण में काफी पिछड़ गए हैं। वहां ऐसे देश भी हैं, जहां न के बराबर टीकाकरण हुआ है, अत- भारत को इन देशों के लिए उत्पादन बढ़ाना चाहिए। इनमें से अनेक देश भारत के भरोसे ही बैठे होंगे, इनमें कुछ देश ऐसे भी हैं, जिन्हें भारत पहले कुछ वैक्सीन दे चुका है। भारत ने अप्रैल के महीने में किसी भी देश को टीका देने से मना कर दिया था, क्योंकि अप्रैल में देश में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ने लगे थे। गौर करने की बात है कि 9 मई को जब भारत में कोरोना मामले रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज हुए थे, उसकी तुलना में अब महज चार प्रतिशत मामले ही दर्ज हो रहे हैं। बेशक, कोरोना से सफल मुकाबले में टीकाकरण का योगदान सबसे खास है। भारत में लगभग 70 प्रतिशत आबादी को कम से कम एक खुराक मिल चुकी है और लगभग 30 प्रतिशत आबादी को दोनों खुराक। असर यह है कि भारत के दैनिक कोविड-19 संक्रमण में गिरावट आ रही है और बीते शनिवार को महज 15,981 नए मामले सामने आए हैं। भारत ने जिस तरह से टीकाकरण किया है और जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था को संभाल रहा है, उससे विश्व बैंक का भारत के प्रति विश्वास बढ़ा है। भारत को टीकाकरण में और तेजी लाने पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों के टीकाकरण पर सावधानी से काम करना होगा। हम दुनिया में भले कुछ आगे दिख रहे हों, लेकिन अपने स्तर पर हमारी सत्तर प्रतिशत यात्रा अभी शेष है, तो हमें मंजिल की ओर तेज चलना ही होगा।

'आज के ट्वीट

निःशुल्क

रीट-2021 की तरह ही अक्टूबर माह में प्रस्तावित पटवारी भर्ती परीक्षा एवं इसके बाद आयोजित होने वाली आरएएस प्रारंभिक परीक्षा के सभी अभ्यर्थियों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

-- मु. अशोक गहलोत

रक्षा निर्माण को मिली नयी उड़ान

– राजनाथ सिंह

'देह शिव बर मोहे ईहे, शुभ कर्मन ते कबहूं न डरूं'

किसी भी बड़े सुधार को शुरू करने और पूरा करने के लिए बहुत धैर्य, प्रतिबद्धता तथा संकल्प की आवश्यकता होती है। हितधारकों की प्रतिस्पर्धी आकांक्षाओं को पूरा करते हुए यथास्थिति में बदलाव के लिए सूक्ष्म संतुलित प्रयास की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में, हमारी सरकार ऐसे मजबूत निर्णय लेने और महत्वपूर्ण सुधार करने में कभी नहीं हिचकिचाती है, जो लाभदायक होने के साथ-साथ राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में हों। रक्षा में आत्मनिर्भरता, भारत की रक्षा उत्पादन नीति की आधारशिला रही है। सरकार द्वारा हाल ही में 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान से इस लक्ष्य की प्राप्ति को और गति मिली है। भारतीय रक्षा उद्योग, मुख्य रूप से सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करता है और इसने बाजार तथा विभिन्न उत्पादों के साथ स्वयं को भी विकसित किया है। निर्यात में हाल की सफलताओं से प्रेरित होकर, भारत एक उभरते हुए रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने के लिए तैयार है। हमारा लक्ष्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, निर्यात सहित बाजार तक पहुंच के साथ-साथ डिजाइन से लेकर उत्पादन तक में, भारत को रक्षा क्षेत्र के सन्दर्भ में दुनिया के शीर्ष देशों में स्थापित करना है। 2014 के बाद से, भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में कई सुधार किये हैं, ताकि निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और स्वदेशी उत्पादों की मांग को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक अनुकूल तंत्र तैयार किया जा सके। आयुध निर्माणी बोर्ड, रक्षा मंत्रालय के अधीन था, जिसे 100 प्रतिशत सरकारी स्वामित्व वाली 7 नई कॉर्पोरेट संस्थाओं में बदलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, ताकि कार्य स्वायत्तता व दक्षता को बढ़ाया जा सके और नई विकास क्षमता तथा नवाचार को शुरू किया जा सके। इस निर्णय को निश्चित रूप से इस श्रृंखला का सबसे महत्वपूर्ण सुधार माना जा सकता है। आयुध निर्माण संयंत्रों का 200 से भी अधिक वर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा में उनका बहुमूल्य योगदान रहा है। उनका बुनियादी ढांचा और कुशल मानव संसाधन देश की महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति हैं। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में, सशस्त्र बलों द्वारा ओएफबी उत्पादों की उच्च लागत, असंगत गुणवत्ता और आपूर्ति में देरी से संबंधित चिंताएं व्यक्त की गयी हैं। आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) की मौजूदा प्रणाली में कई खामियां थीं। आयुध निर्माणी बोर्ड के पास अपनी आयुध निर्माणियों (ओएफ) के भीतर सब कुछ उत्पादन करने की विरासत थी, जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति श्रृंखला प्रभावहीन थी और प्रतिस्पर्धी बनने तथा बाजार में नए अवसरों की खोज करने को लेकर प्रोत्साहन की कमी थी। आयुध निर्माणी बोर्ड द्वारा एक ही जगह विविध श्रेणी की वस्तुओं के उत्पादन में शामिल होने के कारण विशेषज्ञता का अभाव था। सात नई कॉरपोरेट इकाइयां बनाने का यह निर्णय व्यापार प्रशासन के मॉडल में उभरने के लक्ष्य के अनुरूप है। यह नई संरचना इन कंपनियों को प्रतिस्पर्धी बनने और आयुध कारखानों को अधिकतम उपयोग के माध्यम से उत्पादक और लाभदायक परिसंपत्तियों के रूप में बदलने के लिए प्रोत्साहित करेगी; उत्पादों की विविधता के मामले में विशेषज्ञता को गहराई प्रदान करेगी; गुणवत्ता एवं लागत संबंधी दक्षता में सुधार करते हुए प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देगी और नवाचार एवं लक्षित सोच (डिजाइन थिंकिंग) के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत करेगी। सरकार ने इस फैसले को लागू करते हुए यह आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जाएगी। इन सात नई कंपनियों को अब सूचीबद्ध कर लिया गया है और उन्होंने अपना कारोबार शुरू भी कर दिया है। म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), जोकि मुख्य रूप से विभिन्न क्षमता वाले गोला-बारूद और विस्फोटकों के उत्पादन से जुड़ी होगी और इसकी न सिर्फ 'मेक इन इंडिया' के जरिए बल्कि 'मेकिंग फॉर द वर्ल्ड' के माध्यम से भी तेजी से बढ़ने की व्यापक संभावना है। बख्तरबंद वाहन कंपनी (अवनी) मुख्य रूप से टैंक और बारूदी सुरंग रोधी वाहन (माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल) जैसे युद्ध में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के उत्पादन में संलग्न होगी और इसके द्वारा अपनी क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करते हुए घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। यही नहीं, यह नए निर्यात बाजारों का भी पता लगा सकती है। उन्नत हथियार एवं उपकरण (एडब्ल्यूई इंडिया) मुख्य रूप से तोपों और अन्य हथियार प्रणालियों के उत्पादन में संलग्न होगी और इसके द्वारा घरेलू मांग को पूरा करने के साथ-साथ उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। अन्य चार कंपनियों के साथ भी यही स्थिति रहेगी। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि इन नई कंपनियों में से अधिकांश के पास पर्याप्त कार्य आदेश होंगे। ओएफबी के सभी लंबित कार्य आदेश, जिनका मूल्य लगभग 65,000 करोड़ रुपये से अधिक है, को अनुबंधों के जरिए इन कंपनियों को सौंप दिया जाएगा। इसके अलावा, विविधीकरण और निर्यात के जरिए कई क्षेत्रों में नई कंपनियों के फलने-फूलने की काफी संभावनाएं हैं। असैन्य इस्तेमाल के लिए दोहरे उपयोग वाले रक्षा उत्पाद भी इनमें शामिल हैं। इसी तरह आयात प्रतिस्थापन के जरिए भी नई कंपनियों का कारोबार बढ़ने की व्यापक संभावनाएं हैं। इस दिशा में एक नई शुरुआत कर दी गई है। वैसे तो आयुध कारखानों को पहले केवल सशस्त्र बलों की जरूरतों को ही पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन नई कंपनियां अब उस तय दायरे से भी परे जा सकेंगी और देश-विदेश दोनों में ही नए अवसरों का पता लगाएंगी। पहले के मुकाबले कहीं अधिक कार्यात्मक एवं वित्तीय स्वायत्तता मिल जाने से ये नई कंपनियां अब आधुनिक कारोबारी मॉडलों को अपना सकेंगी और इसके साथ ही नई तरह के सहयोग सुनिश्चित कर सकेंगी। वर्तमान में हम आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिए देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं पर सुव्यवस्थित ढंग से विशेष जोर देने के लिए विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह परिकल्पना की गई है कि इन नई कंपनियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र की मौजूदा कंपनियां देश में एक मजबूत 'सैन्य औद्योगिक परिवेश' बनाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करेंगी। इससे हमें समय पर स्वदेशी क्षमता विकास की योजना बनाकर आयात को कम करने और इन संसाधनों को स्वदेश में ही बने रक्षा उत्पादों की खरीद में लगाने में काफी मदद मिलेगी। इसमें सफलता मिलने पर हमारी अर्थव्यवस्था में व्यापक निवेश आएगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

हालांकि, इस दिशा में आगे विभिन्न तरह की चुनौतियां हैं। सदियों पुरानी परंपराओं और कार्य संस्कृति को रातों-रात बदलना वाकई मुश्किल है। मेरा यह मानना है कि यह एक बेहद जटिल परिवर्तन प्रक्रिया की शुरुआत है और हमारा मंत्रालय शुरुआती मुद्दों को हल करने एवं मार्गदर्शन करने के साथ-साथ इन नवगठित कंपनियों को व्यवहार्य या लाभप्रद व्यावसायिक इकाइयों में परिवर्तित करने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि नई कंपनियों के कर्मचारी और प्रबंधन एक नई संगठनात्मक संस्कृति के बीज बोएंगे, ताकि उनकी कंपनियों में व्यापक सकारात्मक बदलाव आए और उनका कारोबार काफी तेजी से बढ़ सके।

अहंकार से छुटकारा

तुमने देखा विनम्र आदमी का अहंकार! वह कहता है, मैं आपके पैर की धूल! मगर उसकी आंख में देखना, वह क्या कह रहा है! वह यह कह नहीं रहा है कि आप भी इसको मान लो। वह तो यह कह रहा है कि आप कहो कि आप जैसा विनम्र आदमी। दशर्न हो गए बड़ी कृपा! वह कह रहा है कि आप खंडन करो कि 'आप, और पैर की धूल? आप तो स्वर्ण-शिखर हैं! मंदिर के कलश हैं!' जैसे-जैसे तुम कहोगे ऊंचा, वह कहेगा कि नहीं, मैं बिल्कुल पैर की धूल हूं। लेकिन जब कोई कहे कि मैं पैर की धूल हूं तुम अगर स्वीकार कर लो कि आप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं, आप बिल्कुल पैर की धूल हैं, तो वह आदमी फिर तुम्हारी तरफ कभी देखेगा भी नहीं। वह विनम्रता नहीं थी-वह नया अहंकार का रंग था; अहंकार ने नये वस्त्र ओढ़े थे, विनम्रता के वस्त्र ओढ़े थे। तो तुम अगर 'मैं' से छूटने की कोशिश किए, तो यह जो छूटने वाला है, यह एक नये 'मैं' को निर्मित कर लेगा। मेरे पास कई लोग आ जाते हैं, कहते हैं कि ऐसा कुछ मार्ग दें कि दुनिया में कुछ करके दिखा जाएं। क्या करके दिखाना चाहते हो? वे कहते हैं कि 'नाम रह जाये। हम तो चले जाएंगे, लेकिन नाम रह जाए!' नाम रहने से क्या प्रयोजन? तुम्हारे नाम में और किसी की कोई उत्सुकता नहीं है, सिवाय तुम्हारे। जब तुम्हीं चले गए, कौन फिक्र करता है! जब तुम्हीं न बचोगे, तो तुम्हारा नाम क्या खाक बचेगा? कौन फिक्र करता है तुम्हारे नाम की? और नाम बच भी गया तो क्या सार है? किन्हीं किताबों में दबा पड़ा रहेगा, तड़फेगा वहां! सकिंदर का नाम है, नेपोलियन का नाम है-क्या सार है? नहीं, लेकिन हमें बचपन से ये रोग सिखाए गए हैं। बचपन से कहा गया है : 'कुछ करके मरना, बिना करे मत मर जाना! अच्छा हो तो अच्छा, नहीं तो बुरा करके मरना, लेकिन नाम छोड़ जाना।' लोग कहते हैं, 'बदनाम हुए तो क्या, कुछ नाम तो होगा ही। अगर ठीक रास्ता न मिले, तो उलटे रास्ते से कुछ करना, लेकिन नाम छोड़ कर जाना!' लोग ऐसे दीवाने हैं कि पहाड़ जाते हैं, तो पत्थर पर नाम खोद आते हैं। पुराना किला देखने जाते हैं, तो दीवालों पर नाम लिख आते हैं। और जो आदमी नाम लिख रहा है, वह यह भी नहीं देखता कि दूसरे नाम पोंछ कर लिख रहा है। तुम्हारा नाम कोई दूसरा पोंछ कर लिख जाएगा। तुम दूसरे का पोंछ कर लिख रहे हो। दूसरों के लिखे हैं, उनके ऊपर तुम अपना लिख रहे हो-और मोटे अक्षरों में; कोई और आ कर उससे मोटे अक्षरों में लिख जाएगा। किस पागलपन में पड़े हो?

आज का राशिफल

- **मेष** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।
- **वृषभ** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।
- **मिथुन** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।
- **कर्क** संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
- **सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
- **कन्या** आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
- **तुला** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।
- **वृश्चिक** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।
- **धनु** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।
- **मकर** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।
- **कुम्भ** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
- **मीन** रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

सफलता का संकेत है श्रेष्ठ कर्म में बाधाएँ

– डॉ. दीपक आचार्य

दुनिया के अधिकांश लोगों के दिमाग में जिन्दगी भर यह प्रश्न कौंधता रहता है कि अच्छे कार्य में जुटते ही बाधाओं का आना आरंभ हो जाता है। सज्जनों को हर क्षण इसका अनुभव होता ही है। और वे इससे दु:खी रहा करते हैं। कोई सा अच्छा काम हो, जैसे ही कोई इसकी शुरूआत करता है, लोग बिना किसी कारण के पीछे पड़ जाते हैं, विरोध और निन्दा शुरू हो जाती है और ऐसे-ऐसे अवसरों से साक्षात होता रहता है कि जिसमें मन खिन्न हो जाता है। कई बार मानसिक के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी भोगना पड़ता है और कई मामलों में श्रेष्ठ कर्म करने वाले, सामुदायिक हितों का चिन्तन करने वाले, निष्काम भाव से समाज, क्षेत्र और देश की सेवा करने वालों को कठिनाइयों भरे दौर से गुजरना पड़ता है। ऐसे में कुछ फीसदी लोग जमाने की प्रदूषित हलचलों की वजह से पलायन कर जाते हैं और यह मान बैठते हैं कि इस दुनिया में दुष्टों और राक्षसों का बाहुल्य होता जा रहा है। जब भी समाज, क्षेत्र और देश के लिए किसी अच्छे कर्म की नींव पड़ती है, न जाने कहाँ-कहाँ से ऐसेऐ-से विचित्र लोग सामने आ जाते हैं जिनका हमारी पीढ़ियों और हमसे कोई लेना-देना नहीं होता, न एक-दूसरे को जानते हैं। इन्हें इंसान कहना ही इंसानियत का अपमान है।फिर भी ऐसे लोग हाथ धोकर पीछे पड़ जाते हैं। हमारे इन तात्कालिक विरोधियों में भद्र एवं कुलीन लोगों का प्रतिशत नगण्य होता है जबकि उठाईगिरे, अनपढ़, चोर-उचक्के और ऐसे वर्णसंकर सामने आ जाते हैं जिनके जीवन का उद्देश्य ही हराम की कमाई और जबरिया आतिथ्य पाना ही होता है। इन लोगों को लगता है कि दुनिया उनके लिए ही बनी है इसलिए इनके खान-पान से लेकर तमाम तरह की मुफतिया मौज मस्ती का इंतजाम करना दुनिया के लोगों का काम है। इन तमाम स्थितियों का मूल कारण यह है कि बिना किसी कारण के कोई हमारी निन्दा करे, नुकसान करने पर तुल जाए और हमें शत्रु समझ ले तो उसके दो-तीन ही कारण हो सकते हैं। या तो हमारी पूर्वजन्म की कोई शत्रुता रही हो, या हमने पूर्वजन्म के इन भिखारियों को किसी न किसी तरह भीख या झूठन-खुरचन से वंचित कर दिया हो अथवा ईश्वर ने इनको ठिकाने लगाने के लिए ही हमसे शत्रुता करवा दी हो। इसके अलावा और कोई कारण नहीं हो सकता। पूर्वजन्म के शत्रु भी हमारे साथ ही हमारे समकालीन युग में ही पैदा होते हैं और लेन-देन या शत्रुता का निर्वाह कर चले जाते हैं। इसलिए जहाँ तक हो सके, इन्हें उपेक्षित करते रहें, इनकी हरकतों को बर्दाश्त करते रहें। लेकिन जब पानी सर से ऊपर आ जाए तो फिर बर्दाश्त करना छोड़कर इनका निर्णायक उन्मूलन करने के कामों में पीछे न रहें। वर्तमान युग के राक्षसों के लिए यह जरूरी नहीं कि उनके खुर-सिंग हों, अब बिना इनके भी चारों तरफ खूब सारे राक्षस विचरण कर रहे हैं। फिर सच्चे भक्त और धर्म एवं सत्य मार्ग पर चलने वाले लोगों का सबसे बड़ा फर्ज यही है कि इनके संहार में पीछे न रहें क्योंकि ये लोग सज्जनता, श्रेष्ठ कर्मों, रचनात्मक गतिविधियों के ही शत्रु नहीं हैं बल्कि समाज और राष्ट्र के भी शत्रु हैं क्योंकि इनके कारण से देश की कार्यक्षमता और कर्मयोग का ह्रास हो रहा है। ये पूजा-पाठ, भक्ति और कर्मकाण्ड सारे बाद में हैं, पहले असुरों का संहार। अपने देवी-देवताओं से सीखें और असुरों के संहार के तमाम तरीकों को अपनाएं। भगवान का सच्चा भक्त वही है जो उन सभी कामों में पीछे न रहे, जिनके लिए भगवान ने अवतार लिए हैं। असुरों के लक्षण यही हैं कि औरों के सुख को देखकर दु:खी एवं प्रतिक्रियावादी हो जाएं तथा औरों के दु:खों को देखकर ऐसे प्रसन्न हो जाएं जैसे कि मनमाफिक काम हो गया हो अथवा स्वर्ग का आनंद मिल गया हो। वरना आज आपाधापी के दौड़ में किसे क्या पड़ी है, किसके लिए एक-दूसरे के पीछे भागें और नकारात्मक प्रदूषण फैलाएं। फिर दुनिया में सभी स्थानों पर आजकल ऐसे लोगों की भरमार है जो विधवाओं की तरह अलाप करते रहते हैं। इनमें से अधिकांश की स्थिति उन वैश्याओं की तरह है जिसके पास आने वाले शताधिक लोगों का राम नाम सत्य हो गया हो और उनके नाम का रो रही हों। पता नहीं लोगों को क्यों मोह या द्वेष हो जाता है। इससे भी बड़ी बात यह है कि जो लोग सज्जनों और कर्मयोगियों या श्रेष्ठ कामों का विरोध करते हैं उनका अपना कोई चरित्र नहीं होता, सिवाय मांग खाने, हराम की कमाई करने और धौंस जमाने के। इनमें एक भी ऐसा देखने को नहीं मिलेगा, जिसे लोग पसंद करते हों। जिन्हें कोई घास नहीं डालता, कोई नहीं गाँठता, उनकी मजबूरी होती है हिंसक और क्रूर जानवरों की तरह धींगामस्ती करते हुए अपना वजूद दर्शाना। वरना ऐसा न करें तो ये बेचारे बेमौत मर ही जाएं। इस किस्म के लोग सब जगह सम्मान विद्यमान हैं। दुनिया का शायद ही कोई कोना ऐसा होगा, जहाँ इन नुगरों और नालायकों की मौजूदगी न हो। हैरत की एक बात और भी है कि अक्सर देखा गया है कि माता-पिता और पुरखे शौर्य-पराक्रम और सज्जनता के कारण जाने जाते रहे हैं मगर उनकी संतति पिशाचों की तरह व्यवहार करती है। यही कारण है कि इन नरपिशाचों से उनके घर वाले तक दु:खी और हैरान रहा करते हैं। न केवल घर वाले बल्कि हर क्षेत्र में खूब सारे लोग इनके लिए रोजाना भगवान से प्रार्थना करते रहते हैं कि जितना जल्दी हो इन्हें धरती से उठा ले। सच्चे मन से की जाने वाली प्रार्थना कई बार जल्दी सुन ली जाती है और कई बार भगवान देर से सुनता है। कारण यह है कि भगवान इन दुष्टात्माओं को एक के बाद एक पाप करने का मौका देता है और फिर इन्हीं पापों के परिणामस्वरूप इनका संहार कर देता है। लेकिन इन सारी बातों में गूढ़ रहस्य की बात यह है कि जिस अच्छे कर्म या अच्छे व्यक्ति को कोई छोटी-मोटी बाधा आती है, इसका संकेत यह है कि भगवान उन्हें सफलता देने को उद्यत तो है लेकिन इसके पहले उसके जीवन से नकारात्मक प्रभावों को खत्म देना चाहता है। और फिर आशातीत सफलता प्रदान करता है। और हम समझते हैं भगवान कुछ भी सहयोग नहीं कर रहा। धरती का एक भी काम ऐसा नहीं है जो बिना किसी बाधा के पूरा हो गया हो। यहाँ तक कि भगवान के अवतारों के दौरान भी ढेरों बाधाएं आयी, जिनका खात्मा भगवान को करना पड़ा। जीवन की हर बाधा या राह में आकर टकराते रहने वाले असुर भावी सफलता के पक्के संकेत ही होते हैं लेकिन असुरों का संहार करना हमारे भाग्य में बदा होता है इसलिए वे बिना किसी कारण हमसे टकराते हैं। नरपिशाचों से बेपरवाह रहते हुए श्रेष्ठ कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि अच्छे कार्य करना ही भगवान की प्रसन्नता देता है।

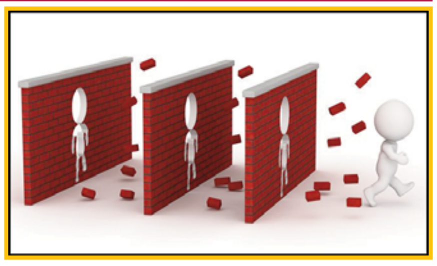

आजकल आपने अक्सर देखा होगा कि ठीक-ठाक पढ़ी-लिखी लड़की शादी के दो या तीन साल के पश्चात ही तलाक लेने के लिए मजबूर हो जाती है क्यों होता है ऐसा, आइए जानते हैं।

रिश्ते संभालें ताकि न आए तलाक की नौबत

आजकल आपने अक्सर देखा होगा कि ठीक-ठाक पढ़ी-लिखी लड़की शादी के दो या तीन साल के पश्चात ही तलाक लेने के लिए मजबूर हो जाती है क्यों होता है ऐसा, आइए जानते हैं। अगर तलाक के इतने नुक्सान हैं तो फिर जहां तक हो सके रिश्तों को संभालने की कोशिश करनी चाहिए। अगर कोई पति मार-पिटाई करता है, शक करता है या साइकिक है तो उसका कोई हल नहीं। उसके लिए आप एन. जी.ओ. की मदद लें या पुलिस की, तलाक लेना जायज है, परन्तु आजकल ज्यादातर तलाक अहं की भावना की वजह से हो रहे हैं।

- शादी होने से पहले लड़का-लड़की को एक-दूसरे से अकेले में मिलने दें। उन्हें एक-दूसरे को समझने का पर्याप्त समय मिलना चाहिए।
- अभिभावकों को अपने बच्चे की कमजोरियां मालूम रहती हैं जैसे गुस्सा चढना़, स्वभाव में कोई कमी होना आदि। ऐसे में उन्हें अपने बच्चों से पूछते रहना चाहिए कि तुम्हारी इस बात पर तुम्हारी होने वाली पत्नी या पति ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
- रिश्तों को दिमाग से नहीं दिल से जोडने़ की कोशिश करें। हर लड़का-लड़की कहीं न कहीं एक-दूसरे में अपना प्रेमी या प्रेमिका भी ढूंढ रहे होते हैं।
- अगर आपकी अपने मंगेतर को देखकर दिल की धड़कन नहीं बढ़ती या आपको खुशी नहीं मिलती तो आप इस रिश्ते पर दोबारा विचार करें।
- अक्सर देखा गया है कि लगभग सभी घरों में सास-ससुर आपस में बहुत अच्छी तरह से रिश्ते निभा रहे होते हैं और आप सोचते हो कि मेरा पति इन जैसा क्यों नहीं? पहले वे भी आपके जैसे लड़ते रहे होंगे परन्तु रिश्ता सींचने में उन्हें समय मिल गया। सोचो एक दिन आपका रिश्ता भी ऐसा ही हो जाएगा।
- रिश्तों को समय दो। कुछ सह लो तो कुछ मना लो। इनका आधार प्रेम रखो।
- लड़का-लड़की में परिपक्वता तथा तजुर्बे की कमी होती है क्योंकि आजकल बच्चे ज्यादा समय पढ़ाई को देते हैं, दूसरा संयुक्त परिवार भी कभी देखे नहीं होते इसलिए किसी दूसरे के साथ घर में रहने के तौर-तरीके की समझ भी कम ही होती है। ऐसे में अभिभावकों को इनकी मदद करनी चाहिए।
- समाज की एक दुविधा यह भी है कि लड़की को ही अपने मां-बाप का घर छोड़ कर लड़के के घर जाना पड़ता है। इस बात से दुःखी होने की बजाय आप इसके फायदे ढूंढें।
- अपने रिश्ते तथा घर की हर बात अपने मां-बाप या रिश्तेदारों को बताना सही नहीं । वे नहीं जानते कि आप जो बात कर रहीं हैं, उसमें आपका क्या रोल था।

तलाक के कारण

- पति तथा पत्नी को एक-दूसरे का व्यवहार पसंद न आना।
- दोनों में से किसी एक के घर वालों की दखलअंदाजी तथा उनके ऊपर उनका अत्यधिक प्रभाव।
- दोनों या किसी एक को छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आना।
- ईगो क्लैश होना।
- अच्छे संस्कारों की कमी।
- रिश्तों को दिमाग से तोलना।
- कई बार लड़की या लड़का एक दूसरे का चेहरा या बाहरी दिखावा देख कर आकर्षित हो जाते हैं, परन्तु शादी होते ही एक-दूसरे का वास्तविक व्यवहार सामने आने पर लड़ाई-झगड़े शुरू हो जाते हैं।
- कुछ लड़कियां शादी के बाद तलाक लेना कमाई का जरिया भी बना लेती हैं।
- आजकल के बच्चे प्रेम किसी और से करते हैं परन्तु घर वालों के डर से शादी कहीं और करवा लेते हैं।

तलाक के नुक्सान

- पहली शादी में जो पति या पत्नी बनती है, दूसरी शादी में वैसा ही पति या पत्नी मिले, यह जरूरी नहीं। कोई न कोई समझौता करना ही पड़ता है।
- चूंकि पहला रिश्ता बहुत सोच-समझ कर तथा नाप-तोल कर किया जाता है इसलिए समाज में थोड़ी मान-प्रतिष्ठा बढ़ जाती है। लोग भी बधाई देते समय कहते हैं कि बहुत अच्छा रिश्ता मिला जो दूसरी बार नहीं मिल पाता।

बदल रही है सास बहू की छवि

जब भी किसी लड़की की शादी होने वाली होती है तो सब से बड़ा डर उसके मन में सास की छवि को लेकर होता है। आमतौर पर सास के नाम के साथ यह धारणा जुड़ी होती है कि सास कभी मां की जगह नहीं ले सकती परन्तु आज के समय में यह भ्रम टूटता हुआ सा लगता है क्योंकि अब सास का स्वरूप बदलने लगा है। सच तो यह है कि ससुराल में पति के बाद आपकी सास ही वह सदस्य होती है जिससे आप बेहिचक अपने दिल की बातें कह सकती हैं। सास कैसी भी हो लेकिन आप अपने अच्छे व्यवहार से उन्हें अपना बना सकती हैं। आखिर उनमें भी एक मां का दिल धड़कता है। बस जरूरत है एक-दूसरे को समझने की।

सोच में आया है परिवर्तन

आज सास न तो बहू को खरी-खोटी सुनाने में विश्वास रखती हैं और न ही बहू-बेटे के बीच दूरियां बनाने का प्रयत्न करती हैं। वे बदल गई हैं और यही चाहती हैं कि जिस प्रकार वे किसी की बेटी से किसी की बहू बन कर गृहस्थी की सभी जिम्मेदारियों को निभाती आई हैं, ठीक उसी का अनुसरण उनकी बहू भी करे। कुल मिला कर वे अपनी बहू की रोल मॉडल बनना चाहती हैं।

रिश्तों से परिचित कराती हैं सास

ससुराल में सास एक ऐसी सदस्य होती है जो परिवार के प्रत्येक सदस्य के व्यवहार और आदतों से परिचित होती है। वह अपनी बहू को उन सबसे परिचित करवा कर उनके दिलों को जीतने की कला भी बताती हैं। सास द्वारा मिली जानकारी से आप सब की अच्छी तरह देखभाल कर सकती हैं और उन्हें प्रेम व सम्मान देकर उनकी प्रिय बन सकती हैं। इससे आपके व उनके रिश्तों में मजबूती आएगी।

सास होती है बेहतर काऊंसलर

सास एक मां होती है इसलिए उसे अपनी बहू अपने बच्चों की तरह ही लगती है। अगर बहू-बेटे में किसी बात को लेकर तनाव की स्थिति पैदा होती है तब सास ही दोनों में सुलह करवाने का सेतु बनती है। सास और बहू में इतना खुलापन अवश्य होना चाहिए कि बहू अपने पति या परिवार से संबंधित कोई भी परेशानी उनसे बांट सके। इससे संबंधों में निकटता बनी रहेगी। कई बार कम अनुभव के कारण बहू जिम्मेदारियां पूरी तरह नहीं निभा पाती, तब सास ही सब मैनेज करने के गुर बताती है। जब सास अपने बहू-बेटे को खुश देखती है तो वह संतुष्ट होती है क्योंकि वह आज की आधुनिक सास है।

देती हैं इमोशनल सपोर्ट

अगर आप शादी के बाद नौकरी करती हैं या घर संभालती हैं तब सास के अनुभवों से आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है क्योंकि उन्होंने आपसे अधिक दुनिया देखी है। दुख और तकलीफ के क्षणों में वह इमोशनली सपोर्ट का काम करती हैं व आपकी समस्या का समाधान बड़ी समझ और धैर्य से ढूंढती हैं। इन सबके बीच वह जाने कब आपकी सुख-दुख की सच्ची सहेली बन जाती हैं और आप उनके साथ घूमने, मूवी देखने या शापिंग पर भी जा सकती हैं।

रीति-रिवाज और संस्कार सिखाती

शादी होते ही लड़की को ससुराल के रीति-रिवाजों की ही पालना करनी पड़ती है। आपकी सास उन सबसे आपको अवगत कराती है। आप खुशनसीब हैं क्योंकि सास के रहते आप की जिम्मेदारियां कुछ कम हो जाती हैं। आप बेफिक्र होकर कहीं भी घूमने जा सकती हैं। नौकरी करती हैं तो बच्चों को निशचिंत होकर उनके पास छोड़ सकती हैं। बच्चों को अकेलापन नहीं झेलना पड़ता और सबसे बड़ी बात अपनी दादी मां की स्नेह भरी छत्रछाया में वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। उनमें मिल-बांट कर खाने-पीने और साथ रहने की भावना पनपती है।

सास-बहू में तालमेल है जरूरी

पति के परिवार और परम्पराओं को समझने व उनसे जुडने़ का सास से बेहतर कोई साधन नहीं हो सकता लेकिन आपको भी अपनी सासू मां को अपनी मां जैसा मान-सम्मान देना होगा। दोनों में किसी भी बात को लेकर छुपाव नहीं होना चाहिए बल्कि एक-दूसरे के प्रति ऐसी स्वच्छ भावनाएं छिपी हों कि बिना कहे ही वे एक-दूजे के मन की बात को भली-भांति समझ लें। जिस प्रकार आपको अपनी सास से उम्मीदें होती हैं ठीक उसी तरह उन्हें भी आप से उम्मीदें होती हैं। आज के समय में यह सच है कि जहां सास अपनी बहू के प्रति उदार हुई हैं, वहीं बहू के मन में भी सास के प्रति सम्मान की भावना बढ़ी है।

समय के साथ-साथ हो रहा है सोच में बदलाव

महिलााएं बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं।

समय के साथ-साथ महिलाओं की सोच में काफी बदलाव आया है। अब वे बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं। उनके मुंह से निकले अपशब्द और किया गया व्यवहार उनको दूसरों से अलग कर देता है और वह खुद ही धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होकर मानसिक पीड़ा से गुजरने लगती हैं। एक ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होती है जब किसी महिला की कोई वस्तु गुम हो जाए। अगर गुमशुदगी बड़ी हो तो पुलिस में रिपोर्ट लिखवाएं, अन्यथा खुद ही तफ्तीश शुरू कर देती हैं। अक्सर देखा गया है कि गुम हुई वस्तु को हर जगह ढूंढने के पश्चात विफल रहने पर वह किसी न किसी पर शक की सूई घुमा लेती है। यह सूई उसकी काम वाली बाई, उसी समय मिलने आए दोस्त या रिश्तेदार पर चली जाती है।

वह बहुत जल्द तलाशी लेने लगती है और बिना सोचे-समझे आवेश में आकर किसी एक पर इल्जाम लगा कर बदनामी मोल ले लेती है। कई बार हम कोई वस्तु कहीं रख कर ऐसे भूल जाते हैं मानो हमने रखी ही न हो। फिर वह कई दिनों, यहां तक कि कई महीनों या सालों के पश्चात अचानक घर से ही मिल जाती है। तब हमें अपनी गलती का एहसास होता है परन्तु कई बार वस्तु सचमुच चुरा ली गई हो और वह महिला सही अनुमान भी लगा रही हो फिर भी बिना सबूत के उस पर कौन विश्वास करेगा। उल्टा सब लोग उस स्त्री से पीछे हट जाएंगे। हर कोई उसके इल्जाम लगाने की प्रवृत्ति की वजह से उससे कतराने लगेगा। इसी कारण महिलाएं काफी समय अपनी ही कही बातों के जंजाल में फंस कर दोहरे मानसिक दबाव में धंस जाती हैं। एक तो उसकी वस्तु गुम हुई दूसरा वह तलाशी लेकर या इल्जाम लगा कर दूसरों में बदनाम हो जाती है। इतना ही नहीं कोई भी काम वाली बाई उसके घर काम करना पसंद नहीं करती चाहे वह महिला व्यवहार में कितनी भी अच्छी और दयालु क्यों न हो। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है -

- सबसे पहले हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि अगर हम एक उंगली किसी एक की ओर उठाएंगे तो तीन उंगलियां हमारी तरफ भी उठेंगी। इसलिए संयम रखें, धैर्य से व्यवहार करें। किसी पर इल्जाम न लगाएं। दूसरों से वस्तु ढूंढने में सहायता मांगें।
- याद रखें जिसने आपकी चोरी की है वह आपको वस्तु कभी नहीं लौटाएगा और न ही उस वस्तु को अपने पास र खे गा। इसलिए तलाशी लेना ज्यादातर फिजूल ही होता है और बद्दुआएं देने से आपकी अपनी जुबान खराब होगी।
- अगर आपको किसी से अपना शक सांझा करना हो तो आप पति, बेटा, बेटी या मां-बाप आदि से बात करें और उनसे बात को गुप्त रखने का वायदा लें।
- हर कीमती या प्रिय वस्तु को अलमारी में रख कर ताला लगाएं और चाबी अपने पास रखें। पहले अपनी वस्तु को अच्छे से ढूंढें फिर चोरी के बारे में बताएं।
- हमेशा अपनी कीमती चीज संभाल कर रखनी चाहिए या फिर उसकी जिम्मेदारी किसी को देकर जाएं।
- याद रखें इस जीवनकाल का काफी समय आप बिता चुकी हैं और कुछ ही समय बचा है। वस्तु मिले या न मिले, वस्तु साथ नहीं जाएगी, लेकिन आपका व्यवहार लोग आपके बाद भी याद रखेंगे। आप इस मानसिक स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करें। अब आप महसूस करेंगी कि आपने वस्तु तो गंवाई परन्तु संतुलन बना कर कई रिश्तों को गंवाने से बचा लिया। यह सोचते ही आपका मन हर्षोल्लास से भर जाएगा और आप गुम हुई वस्तु को भूलने लगेंगी।

स्मार्टफोन खरीदते समय अधिक भारतीय ऑडियो गुणवत्ता को देते हैं प्राथमिकता

नई दिल्ली। ऑडियो गुणवत्ता भारत में उपभोक्ता स्मार्टफोन खरीद को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा चालक (69 प्रतिशत) है, इसमें बैटरी (65 प्रतिशत) और कैमरा (63 प्रतिशत) से आगे है। सोमवार को एक अध्ययन में इसकी जानकारी दी गई। डिजिटल नेटिव (18-24 वर्ष के आयु वर्ग में) सबसे सक्रिय सामग्री उपभोक्ता हैं, जो ऑडियो खपत पर प्रति सप्ताह 20 घंटे से अधिक ऑनलाइन खर्च करते हैं। डॉल्बी के सहयोग से मार्केट रिसर्च फर्म साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, पिछले एक साल में ऑडियो देश में उपभोक्ता जीवन में तेजी से एकीकृत हो गया है। हेड-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप, सीएमआर प्रभु राम ने कहा, एक साल और अधिक सामाजिक दूरी के बाद, ऑडियो खपत के रुझान और तेज हो गए हैं। ऑडियो के साथ उपभोक्ता संबंध लगातार विकसित हो रहे हैं। ऑडियो उपभोक्ता के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है - एपिसोडिक शो, संगीत, फिल्में, लाइव खेल, या मोबाइल गेमिंग आदि। डिजिटल नेटिव्स के बीच, सर्वेक्षण में उपभोक्ताओं में पिछले वार्षिक अध्ययन की तुलना में 8 प्रतिशत की उल्लेखनीय उछाल पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें 2021 में 71 प्रतिशत पर एक प्रमुख स्मार्टफोन खरीद चालक के रूप में ऑडियो को प्राथमिकता दी गई है। डिजिटल मूल निवासी तकनीकी जागरूक हैं और संभवतः स्मार्टफोन ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) द्वारा लाए गए कैमरा और बैटरी नवाचारों से अत्यधिक संतुष्ट हैं। सिनेमा (86 प्रतिशत), संगीत (82 प्रतिशत), उपयोगकर्ता द्वारा निर्मित सामग्री (68 प्रतिशत) उपभोक्ताओं के लिए उनके स्मार्टफोन पर तीन सबसे पसंदीदा सामग्री रूप हैं। उपयोगकर्ता-जनित सामग्री, इंस्टाग्राम रील्स जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से, तीसरे सबसे पसंदीदा सामग्री प्रकार के रूप में एपिसोडिक सामग्री की खपत में विस्फोट हो गया है और आगे निकल गया है। उपभोक्ता अधिक गहन और समृद्ध ऑडियो अनुभवों के साथ-साथ अधिक गहराई और विस्तार की तलाश जारी रखते हैं। अध्ययन में कहा गया है, आवाज और संवाद की स्पष्टता, गहराई से विवरण के साथ-साथ इमर्सिव अनुभव तीनों विशेषताओं की इच्छा में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

यूएस में एक्सबॉक्स मिनी फ्रिज का प्री-आर्डर 19 अक्टूबर से होगा लाइव

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्टने घोषणा की है कि एक्सबॉक्स मिनी फ्रिज के लिए प्री-ऑर्डर मंगलवार (19 अक्टूबर) से शुरू होंगे। उत्पादन की पहली लहर में, एक्सबॉक्स मिनी फ्रिज यूएस में टारगेट और टारगेट डॉट कॉम पर 99.99 डॉलर में उपलब्ध होगा। कनाडा में ग्राहक दिसंबर में डिलीवरी की पहली लहर के हिस्से के रूप में सीधे एक्सबॉक्स गियर शॉप से खरीदने में सक्षम होंगे। फिलहाल, कंपनी ने यह घोषणा नहीं की है कि उत्पाद भारत में उपलब्ध होगा या नहीं। कंपनी ने एक बयान में कहा, हम एक्सबॉक्स मिनी फ्रिज को अधिक से अधिक प्रशंसकों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं और 2022 में लंबित नियामक अनुमोदन और प्रतिबंध क्षेत्रीय उपलब्धता का विस्तार करना जारी रखेंगे। सीरीज एक्स में हरे रंग की ग्रिल से मेल खाने के लिए शीर्ष पर हरे रंग की एलईडी हैं। मिनी फ्रिज के सामने में उपकरणों को चार्ज करने के लिए एक यूएसबी पोर्ट शामिल है और मिनी फ्रिज को चलते-फिरते काम करने के लिए डीसी पावर एडॉप्टर के साथ आता है। इसके वास्तविक उपयोग के संदर्भ में, फ्रिज बहुत छोटा है और इसमें केवल माउंटेन ड्यू के 12 डिब्बे रखे जा सकते हैं। पिछले हफ्ते, एक्सबॉक्स ने दो कस्टम एक्सबॉक्स सीरीज एक्स कंसोल के साथ-साथ एक्सबॉक्स वायरलेस नियंत्रकों की घोषणा की, जो खेल के प्रतिष्ठित पात्रों से प्रेरित हैं। जो लोग रुचि रखते हैं, उनके पास एक्सबॉक्स स्वीपस्टेक ट्वीट को 24 अक्टूबर को रात 8 बजे तक रीट्वीट करके कस्टम एक्सबॉक्स सीरीज एक्स कंसोल और नियंत्रकों में से एक को जीतने का मौका होगा।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च की सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी पंच, कीमत 5.49 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स ने सोमवार को सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा पंच लॉन्च की, जिसकी शुरूआती कीमत 5.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) में है।

टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट (पीवीबीयू) के प्रेसिडेंट शैलेश चंद्रा के मुताबिक, पंच के साथ, हमने एक पूरी तरह से नई कैटेगरी तैयार की है, जो एक सच्चे एसयूवी कैरेक्टर के साथ छोटे आकार की कारों की बढ़ती जरूरत को पूरा करती है। शैलेश चंद्रा के मुताबिक, हमें पूरा विश्वास है कि पंच द्वारा दी जाने वाली भिन्नता, फीचर पैकेज और पूर्ण सुरक्षा के साथ, यह निश्चित रूप से आने वाले दिनों में गतिशील भारतीय कार बाजार में अपनी पहचान बनाएगा।कंपनी के अनुसार, भारत, यूके और इटली में टाटा मोटर्स डिजाइन स्टूडियो ने इस वाहन को डिजाइन करने के लिए सहयोग किया है। सिद्ध और आधुनिक एजाइल लाइट फ्लेक्सिबल एडवांस्ड (एएलएफए) आर्किटेक्चर पर निर्मित वाहन मैनुअल (एमटी) और स्वचालित (एएमटी) ट्रांसमिशन विकल्पों दोनों में उपलब्ध है। यह न्यू जेन 1.2 लीटर रेवोट्रॉन बीएस6 इंजन नवीनतम डायना-प्रो तकनीक द्वारा संचालित है। इसके अलावा, वाहन में एमटी पर

18.97 किमी प्रति लीटर और एएमटी पर 18.82 किमी प्रति लीटर की एआरएआई प्रमाणित ईंधन दक्षता है।

सेबी के हालिया बदलावों से संबद्ध पक्ष लेनदेन के नियम सख्त होंगे : फिच

नयी दिल्ली, फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक सेबी द्वारा हाल में किए गए बदलावों से संबद्ध-पक्ष लेनदेन को नियंत्रित करने वाले नियम सख्त होंगे और सूचीबद्धता को समाप्त करने की प्रक्रिया आसान होगी। फिच ने कहा कि संबद्ध-पक्ष लेनदेन के संशोधित नियमों से जांच की गुंजाइश बढ़ेगी और बड़े शेयरधारकों, जो अक्सर संस्थापक परिवार या प्रवर्तक होते हैं, द्वारा अल्पांश शेयरधारकों की मंजूरी के बिना ऐसे लेनदेन करने की क्षमता सीमित होगी।इस फैसले से सूचीबद्ध कंपनियों के कॉरपोरेट प्रशासन को मजबूती मिलेगी। फिच रेटिंग्स ने एक बयान में कहा, ''भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए हालिया बदलावों से संबद्ध-पक्ष लेनदेन (आरपीटी) को नियंत्रित करने वाले नियम कड़े होंगे और सूचीबद्धता को हटाने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा।''

एयर इंडिया की बिक्री एक 'महत्वपूर्ण मील का पत्थर' साबित होगी: IMF अधिकारी

वाशिंगटन (एजेंसी):

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया की बिक्री भारत के निजीकरण के प्रयासों में एक 'महत्वपूर्ण मील का पत्थर' साबित होगी। टाटा समूह घाटे में चल रही एयर इंडिया के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरा है, और इस संबंध में समूह को 11 अक्टूबर को एक आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया था। आईएमएफ-एसटीआई क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक और आईएमएफ इंडिया मिशन के पूर्व प्रमुख अल्फ्रेड शिपके ने कहा कि एक साक्षात्कार में कहा, ''हम एयर इंडिया की बिक्री के लिए हालिया समझौते का स्वागत करते हैं, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'' इससे पहले इसी महीने सरकार ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी की इकाई टैलेस प्राइवेट लि. की एयर इंडिया के लिए पेशकश को स्वीकार कर लिया था। इसके लिए टाटा द्वारा 2,700 करोड़ रुपए का नकद भुगतान किया जाएगा, जबकि वह एयरलाइन का 15,300 करोड़ रुपए का कर्ज भी लेगी। शिपके ने भारत पर आईएमएफ की वार्षिक रिपोर्ट जारी करने के मौके पर कहा, ''आमतौर पर निजीकरण से अधिकतम लाभ पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव मध्यम अवधि की निजीकरण योजनाओं, ठोस नियामक ढांचे और प्रतिस्पर्धी बाजारों के महत्व पर जोर देते हैं।''वार्षिक रिपोर्ट में देश की अर्थव्यवस्था को उदार बनाने और सुधार के लिए पिछले एक साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए 130 से अधिक प्रमुख नीतिगत कार्यों को सूचीबद्ध किया गया है।

प्रमुख दक्षिण कोरियाई ट्रैवल एजेंसियों को महामारी से उबरने की उम्मीद

सियोल (एजेंसी)।

प्रमुख दक्षिण कोरियाई ट्रैवल एजेंसियों के कोरोना महामारी के लंबे समय से चले आ रहे प्रभाव से उबरने और 2022 में विदेशी यात्रा की बढ़ती मांग के कारण फायदे की ओर बढ़ने की उम्मीद है। ये जानकारी एक मार्केट ट्रैकर ने सोमवार को दी। वित्तीय सूचना प्रदाता एफएनगाइड के अनुसार, स्थानीय ब्रोकरेज हाउसों ने अनुमान लगाया कि उद्योग के नेता हनाटूर आने वाले वर्ष में 3.9 अरब वॉन (3.3 करोड़ डॉलर) की समेकित परिचालन आय दर्ज कर सकते हैं, जो पिछले साल जीते गए 114.9 अरब वॉन के ऑपरेटिंग नुकसान से एक बड़ा बदलाव है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले इस वर्ष की पहली छमाही में, हनाटूर ने 65.6 अरब वोन का परिचालन घाटा दर्ज किया। कंपनी ने 2019 में कोरोना के प्रकोप से पहले 5.9 अरब वॉन की परिचालन आय अर्जित की। रनर-अप मोड टूर भी अगले साल जीते गए 200 करोड़ की परिचालन आय रिकॉर्ड करने का अनुमान है, जबकि इस वर्ष की पहली छमाही में 10.5 अरब वॉन के ऑपरेटिंग नुकसान हुआ। येलो बैलून टूर कंपनी को अगले साल जीते गए 9.7 अरब की परिचालन आय अर्जित करने का अनुमान लगाया गया है, जबकि इसकी पहली छमाही में 6.4 अरब का नुकसान हुआ है। स्थानीय टूर एजेंसियों के लिए पॉजिटिव दृष्टिकोण तेजी से बढ़ते कोरोनावायरस टीकाकरण दरों और अन्य देशों के साथ सियोल के ट्रैवल बबल समझौतों के कारण विदेशी यात्राओं की बढ़ती मांग के बीच आया है।दुनिया भर के प्रमुख पर्यटन स्थल उच्च टीकाकरण दरों की रिपोर्ट कर रहे हैं और दक्षिण कोरिया कई देशों के साथ यात्रा बबल समझौते पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है। इसके अलावा अगले महीने कोविड -19 के साथ रहने की योजना की तैयारी के लिए सियोल का कदम भी जरूरी है, जिसमें वायरस को मौसमी इन्फ्लूएंजा की तरह एक संक्रामक श्वसन रोग के रूप में माना जाएगा। हालांकि, एफएनगाइड ने

कहा कि उन ट्रैवल कंपनियों की बिक्री और कमाई को पूर्व-महामारी के स्तर पर लौटने में अधिक समय लगेगा। स्थानीय टूर ऑपरेटरों को कोविड -19 के वैश्विक प्रसार ने क्षति पहुंचाई है, जिसके कराण प्रमुख देशों में लॉकडाउन के बाद यात्रा की मांग में गिरावट आई है। उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि स्थानीय ट्रैवल कंपनियां 2002 में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम (सार्स) के प्रकोप और मध्य पूर्व रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (मर्स) के प्रकोप से त्रस्त रही थीं।

सेंसेक्स 62 हजारी होने को बेताब, निफ्टी भी 18500 अंक के करीब

मुंबई (एजेंसी):

वैश्विक बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील समेत 18 कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली के दम पर आज सेंसेक्स ने 61963.07 अंक के सर्वकालिक उच्चतम स्तर को छूआ और निफ्टी भी 18500 अंक के करीब पहुंच गया। चौतरफा लिवाली के बल पर बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 61,963.07 अंक के अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर को छूआ लेकिन इसके बाद हुई मामूली बिकवाली के बावजूद यह 459.64 अंक की छलांग लगाकर 61,765.59 अंक पर रहा। महज 20 दिनों में 60 हजार अंक से 61 हजार अंक का इतिहास बनाने वाला सेंसेक्स आज 62 हजारी होने को मचल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 138.50 अंक की तेजी लेकर साढ़े 18 हजार अंक के करीब 18,477.05 अंक पर पहुंच गया। दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.95 प्रतिशत उछलकर 26,952.13 अंक और स्मॉलकैप 0.69 प्रतिशत चढ़कर 30 हजार अंक के पार 30,100.80 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3624 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 1830 में तेजी जबकि 1616 में गिरावट रही वहीं 178 में कोई बदलाव नहीं हुआ। एनएसई में 28 कंपनियों के शेयर चढ़े जबकि 22 गिर गए। बीएसई में सीडीजीएस, दूरसंचार और हेल्थकेयर समूह की 0.81 प्रतिशत की गिरावट को छोड़ शेष 16 समूहों में जबरदस्त लिवाली हुई। इस दौरान धातु समूह में सबसे अधिक 4.31 प्रतिशत की तेजी रही। इसी तरह पावर, टेक, यूटिलिटीज, आईटी और बेसिक मैटेरियल्स समूह के शेयर भी 2.82 प्रतिशत तक चढ़े। इस दौरान विदेशी बाजारों में गिरावट का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.25 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.51 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.15 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.12 प्रतिशत उतर गया जबकि हांगकांग के हैंगसैंग में 0.31 प्रतिशत की तेजी रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 511.37 अंक की तेजी लेकर 61,817.32 पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 61,624.65 अंक निचले स्तर पर आ गया। इसके बाद लिवाली के जोर पर यह 61,963.07 अंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 61,305.95 अंक की तुलना में 0.75 प्रतिशत चढ़कर 61,765.59 अंक पर रहा। निफ्टी 161.55 अंक की तेजी लेकर 18,500.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 18,445.30 अंक के न्यूनतम और 18,543.15 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 18,338.55 अंक के मुकाबले 0.76 प्रतिशत मजबूत होकर 18,477.05 अंक पर रहा। इस दौरान मुनाफा कमाने

वाली कंपनियों में इंफोसिस 4.47, टेक महिंद्रा 3.36, टाटा स्टील 2.73, आईसीआईसीआई बैंक 2.48, आईटीसी 2.30, मारुति 2.09, ओएनजीसी 1.98, एसबीआई 1.50, एक्सिस बैंक 1.40, टाइटन 1.01, बजाज फिनसर्व 1.01, टीसीएस 1.00, इंडसइंड बैंक 0.88, नेस्ले इंडिया 0.67, रिलायंस 0.26, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.12, एचडीएफसी 0.07 और बजाज फाइनेंस 0.06 प्रतिशत शामिल रहीं। वहीं, नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एचसीएल टेक 2.36, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.24, एशियन पेंट 1.66, बजाज ऑटो 1.16, एचडीएफसी बैंक 0.93, भारती एयरटेल 0.83, सन फार्मा 0.67, पावरग्रिड 0.34, कोटक बैंक 0.15, अल्ट्रासिमको 0.08, एलटी 0.06 और एनटीपीसी 0.03 प्रतिशत शामिल हैं।

भारतीय संस्कृति और हस्तशिल्प से प्रेरित एशियन पेन्ट्स ने रॉयल प्ले द्वारा 'ताना बाना' वाल टेक्सचर पेश किया

एशियन पेन्ट्स रॉयल प्ले ने इस बार त्यौहारों के मौसम की शुरुआत आकर्षक वाल टेक्सचर – 'ताना बाना' से की है। भारतीय शिल्प और बुनावट की विरासत से प्रेरित 'ताना बाना' कला का एक नमूना है जो भिन्न किस्म की भावनाओं और यादों को उभारेगा। पुरखों के घरों की चारपाई से लेकर फल और फूल रखने की हमारी व्यापक और सीक की बनी टोकरी, दादी माँ की अमूल्य इक्कत साड़ी से लेकर दुल्हन के कपड़ों से बंधेज दुपट्टा तक, ताना-बाना ने हमारे जीवन और दीवारों को सजाने के लिए बहुमूल्य शिल्प नए सिरे से तैयार किए हैं।

'ताना बाना' का मतलब है किसी काम को करने के लिए किए जाने वाले आवश्यक प्रबंध, जैसे कि कपड़ा बुनने के लिए निश्चित लंबाई और चौड़ाई के बल यानी बुने हुए सूत। किसी रचना की मूल बनावट यहाँ सूत और अन्य मामले में तार या तत्व को भी ताना-बाना कहते हैं। सूत धागे में, धागा कपड़ा में और कपड़ा जीवनशैली में बदलता है।

इस कलेक्शन में आठ उत्कृष्ट वाल टेक्सचर हैं जो कुशल शिल्पकारों की पीढ़ियों से चले आ रहे शिल्प का सम्मान करते हैं। वर्षों पुरानी परंपराओं से लेकर समकालीन घरों तक 'ताना बाना' के फिनिश खास हैं तथा भारत के सभी हिस्सों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये टेक्सचर आपको कई शेड के मेल में मिलते हैं और इनके मेटैलिक तथा नॉन मेटैलिक रूपांतर भी हैं तथा निश्चित रूप से ये आपके रहने की जगह को आधुनिक आउटलुक के साथ निजी छाप भी देंगे।

प्रत्येक टेक्सचर अपनी अवधारणा एक मूल शिल्प से हासिल करता है जिसे किसी राज्य या शिल्पकारों के समूह ने लोकप्रिय बनाया था। उदाहरण के लिए, 'चारपाई' टेक्सचर में चारपाई जैसी क्रिस-क्रॉस बुनाई है जो उत्तर भारत में बड़ी आसानी से देखी जा सकती है। इसी तरह, 'पाम वीव' टेक्सचर ताड़ के पत्ते से प्रेरित है जो भारत के पश्चिमी तटीय राज्यों गोवा और केरल में मिलने वाले ताड़ के विशाल पत्तों से प्रेरित है।

'बंधेज' टेक्सचर नाम से ही लगता है कि यह पुरानी टाई-डाई (बांधकर रंगने की) शैली से प्रेरित है। कपड़ों को रंगने की यह शैली राजस्थान और गुजरात की है। इसी तरह 'बास्केट' (टोकरी) का टेक्सचर उत्तर पूर्व से हमारे पास आया है। उत्तर पूर्व में बाँस और बेंत के हस्तशिल्प का खासा काम है। इसमें इन्हें बहुत ही बारीकी से मोड़कर फर्नीचर के साथ-साथ कलात्मक वस्तुएँ भी बनाई जाती हैं। 'मद्रास चेक्स' टेक्सचर में कालातीत चारखाने वाली विनटेज बुनाई को संरक्षित किया गया है। यह देश के दक्षिणी राज्यों में खूब पसंद किया जाता है।

6.51-इंच हेलो फुलव्यू डिस्प्ले के साथ वीवो वाई3एस भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्मार्टफोन निर्माता कंपनी वीवो ने सोमवार को भारतीय बाजार में अपना नया बजट स्मार्टफोन वीवो वाई3एस लॉन्च किया है।

2जीबी प्लस 32जीबी स्टोरेज वैरिएंट (1टीबी तक एक्सपेंडेबल) के लिए 9,490 रुपये की कीमत पर, वीवो वाई3एस तीन कलर ऑप्शन- पर्ल व्हाइट, मिंट ग्रीन और स्टारी ब्लू में खरीदने के लिए वीवो इंडिया ई-स्टोर, अमेजनडॉटइन,18 अक्टूबर से फ्लिपकार्ट, टाटा क्लिक, पेटीएम, बजाज फिनसर्व ईएमआई स्टोर और सभी पार्टनर रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। वीवो इंडिया के निदेशक, ब्रांड रणनीति, निपुण मेरी ने एक बयान में कहा, वीवो के युवा वाई सीरीज पोर्टफोलियो में वाई3एस का शामिल होना उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पादों की पेशकश करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है जो एक सुखद अनुभव के लिए उनकी उम्मीदों पर खरे उतरते हैं। वाई3एस उन उपभोक्ताओं को पूरा करता है जो बैटरी और बड़ा डिस्प्ले, सभी किफायती मूल्य बिंदु पर एक बड़े डिवाइस की तलाश में हैं। विनिर्देशों के संदर्भ में, वीवो वाई3एसे में एचडी प्लस (1600एक्स720) रिजॉल्यूशन के साथ 6.51 इंच का हेलो फुलव्यू डिस्प्ले है। कंपनी का दावा है कि स्मार्टफोन की क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है क्योंकि यह आईमेनेजर के साथ आता है, जो रात में फोन को अच्छी स्थिति में रखने के लिए जगह की सफाई या स्कैनिंग जैसे कार्यों का ध्यान रखता है। डिवाइस हेलियो पी35 प्रोसेसर द्वारा संचालित है और नवीनतम फनटच ओएस 11 के साथ आता है।

वाई3एस में 5000एमएएच की बड़ी बैटरी है। डिवाइस एआई पावर सेविंग टेक्नोलॉजी द्वारा समर्थित है, जो ऑनलाइन एचडी मूवी स्ट्रीमिंग के 19 घंटे और संसाधन-गहन गेमप्ले के 8 घंटे तक प्रदान करता है। इसमें 13एमपी का मुख्य कैमरा सेंसर और सेल्फी के लिए 5एमपी का फ्रंट कैमरा है। सभी वीवो डिवाइसों की तरह, वाई3एस मेक इन इंडिया के लिए वीवो की प्रतिबद्धता का पालन करता है और इसे वीवो के ग्रेटर नोएडा प्लांट में निर्मित किया जाता है।

रेशामंडी द्वारा यूएस 30 मिलियन के भारत के सबसे बडे 'सीरीज़ ए फंडिंग' के दौर की घोषणा

भारत। भारत में रेशम किसानों, व्यवसायों और खुदरा विक्रेताओं के लिए बी2बी बाज़ार के रूप में कार्य करता रेशामंडी, भारत का पहला रेशम-तकनीक स्टार्टअप है, जिसने वैश्विक वैकल्पिक निवेश प्रबंधक क्रिएशन इन्वेबस्टीमेंट तथा अन्यभ निवेशकों के नेतृत्व में यूएस 30 मिलियन के 'सीरीज़ ए फंडिंग' के दौर की घोषणा की है । इस दौर में इक्विटी और कुछ ऋण का मिश्रण है । इक्विटी फंडिंग में 9 यूनिकॉर्न, वेंचर कैटैलिस्टै, नेक्सस से संदीप सिंघल, इंडियामार्ट के संस्थापक बृजेश अग्रवाल और ओमनिवोर जैसे नए निवेशक शामिल हैं, जिन्होंने रेशामंडी के बीज दौर का भी नेतृत्व किया। नॉर्दर्न आर्क, अल्टेरिया, इनोवेन और स्ट्राइड वेंचर्स ऋण निवेशकों में शामिल हैं।

मई 2020 में स्थापित रेशामंडी, खेत से लेकर फैशन तक एक फूल-स्टैक डिजिटल इकोसिस्टरम प्रदान करती है। कंपनी की स्थापना निफ्ट के स्वर्ण पदक विजेता मयंक तिवारी, पूर्व सिस्को सिस्टम्स टेक्नोलॉजिस्ट और उद्यमी सौरभ अग्रवाल और आईआईटी दिल्ली के सीरियल टेक्नोलॉजी उद्यमी उत्कर्ष अपूर्व ने की थी। रेशामंडी वर्तमान में भारत में सबसे तेजी से बढ़ रहे बी2बी स्टार्ट-अप में से एक है, जिसके संचालन के पहलेही वर्ष में राजस्व में 30 गुना की वृद्धि देखी जा रही है। रेशामंडी ने अपने संचालन के पहले 15 महीनों में, किसानों, एसएमई निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं में फैले 35,000 से अधिक छोटे व्यवसायों को अपनी आपूर्ति श्रृंखला में शामिल किया है, जिन्होंनें 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के बाजार को प्रभावित किया है। इसकी प्रक्रियाओं ने लघु व्यवसाय आय को 35-55% तक बढ़ाने और स्वदेशी कच्चे रेशम के उपयोग को नाटकीय रूप से बढ़ाने में मदद की है।

रेशामंडी के सीईओ मयंक तिवारी ने इस फंडिंग राउंड को ऐतिहासिक और नवाचार के लिए एक मिसाल बताया है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' या एक आत्मनिर्भर राष्ट्र की ओर बढ रहा है । मयंक ने कहा, "रेशामंडी संबंधो पर बनी है और हम क्रिएशन और अन्यों के साथ जो नई साझेदारी कर रहे हैं, उससे हम उत्साहित हैं।" "वित्त पोषण का यह दौर हमें नए क्षेत्रों में विस्तार करने और हमारे अनुसंधान एवं विकास कार्य को संचालित करने की अनुमति देगा, जबकि आगे के हितधारकों को हमारे नवाचारों और दक्षताओं का लाभ उठाने में मदद करेगा। व्यक्तिगत तौर पर, मैं अपने प्रत्येक ग्राहक, आपूर्तिकर्ताओं, निवेशकों और निश्चित रूप से लगातार बढ़ती रेशामंडी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं।

कैस्ट्रोल इंडिया ने सुपर मैकेनिक कॉन्टेस्ट का चौथा एडिशन लॉन्च किया

मुंबई,। भारत की अग्रणी लुब्रिकेंट कंपनी केस्ट्रोल ने देश की सबसे बड़ी और सर्वाधिक प्रतीक्षित मेकैनिक स्किलिंग पहल, कैस्ट्रोल सुपर मेकैनिक कॉन्टेस्ट (एसएमसी) का चौथा एडिशन लॉन्च किया है। साल 2017 में लॉन्च हुई यह अत्यंति सफल पहल भारत के कार और बाइक मेकैनिक्स को अपनी कुशलताएँ निखारने, प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिये एक परिपूर्ण मंच प्रदान करती है। इस साल के कॉन्टेस्टँ की थीम है #SeekhengeJeetengeBadhenge, (सीखेंगे, जीतेंगे, बढ़ेंगे)। इस थीम उन मेकैनिकों की लगन और उत्सा्ह को सलाम करती है जो भारत को गतिशील रखते हैं। यह कॉन्टेसस्टी उन्हें ऑटोमोटिव सेक्टइर में नई प्रौद्योगिक प्रगतियों से अवगत होने और कुशलता बढ़ाने होने का मौका भी देगा। इसमें भाग लेने वाले मेकैनिक्स देश के अन्ये मेकैनिक्स के साथ अपनी कुशलताओं को आजमाएंगे, ताकि 2021 कैस्ट्रोल सुपर मेकैनिक का खिताब हासिल कर सकें।

मौजूदा महामारी के बीच, सुपर मेकैनिक कॉन्टेस्ट 2021 भारत की मेकैनिक कम्युनिटी में अपनी पहुँच बढ़ाने के लिये फिजिकल और डिजिटल, दोनों माध्यमों का इस्तेमाल करेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा मेकैनिक्स इसमें भाग ले सकें। इसका लक्ष्य होगा प्रतियोगिताओं के लिये 1,00,000 से ज्यातदा मेकैनिक्स को शामिल करना। इस कॉन्टेस्ट के लिये पंजीकरण एक इंटरैक्टिव वॉइस रिस्पॉन्सल (आईवीआर) राउंड और एक समर्पित वेब पोर्टल के माध्य म से होंगे, जिनमें भाषाओं के 9 विकल्प - अंग्रेजी, हिन्दी, बंगाली, तेलुगू, कन्नसड़, गुजराती, मराठी, मलयालम, और तमिल - उपलब्धइ होंगे । कैस्ट्रोल सुपर मेकैनिक कॉन्टेस्ट 2021 को को-क्रियेट और प्रमोट करने के लिये टीवी9 नेटवर्क के साथ साझेदारी करेगा। इसकी मेजबानी लोकप्रिय जीईसी ऐक्टर रवि दुबे करेंगे, जो 2017 में इस कॉन्टेवस्टे के लॉन्च से ही इसका चेहरा रहे हैं।

अगर भारत ने पाक के साथ खेलने से किया इनकार तो बनेगी ऐसी परिस्थितियां, विराट के हाथों से छूट सकता है खिताब !

दुबई। (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप में भारत 24 अक्टूबर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ मुकाबला खेलने वाली है लेकिन क्या यह मुकाबला खेला जाएगा या नहीं ? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि मोदी सरकार में मंत्री गिरिराज सिंह ने मैच पर पुनर्विचार करने की मांग की है। दरअसल, इन दिनों जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। शनिवार और रविवार को गैर कश्मीरी लोगों को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी।

इस मामले में शक की सुई पाकिस्तान पर आकर अटक गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना ने आशंका जताई कि पाकिस्तानी सेना के कमांडो आतंकवादियों को प्रशिक्षण देकर भारत में घुसपैठ कराई है।

क्या होगा अगर भारत खेलने से कर देता है इंकार ?

भारत अगर 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मुकाबले को खेलने से मना कर देता है तो बिना खेले ही भारत को 2 प्वाइंट का नुकसान हो जाएगा। ऐसे पाकिस्तान बिना खेले ही 2 प्वाइंट हासिल कर लेगी। जबकि विश्व कप मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को हमेशा ही बुरी तरह से धोया है। ऐसे में भारत का मना करने पाकिस्तान के लिए खुशखबरी होगी लेकिन बीसीसीआई ने अभी ऐसा कोई भी बयान जारी नहीं किया है। ऐसे में 24 तारीख को दोनों टीमों के बीच में बहुप्रतीक्षित मुकाबला देखने को मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि मुकाबला शायद ही रद्द हो क्योंकि आप लोगों को साल 2019 का साल याद कर लेना चाहिए। विश्व कप मुकाबले से पहले फरवरी की 14 तारीख को पुलवामा में आतंकवादी हमला हुआ था। जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे और इसी के साथ पाकिस्तान के साथ रिश्ते और भी तल्ख हो गए। भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया था और सीआरपीएफ जवानों की शहादत का बदला भी। उसके बाद विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को रद्द करने की मांग उठने लगी लेकिन इससे भारत को ही नुकसान हो सकता था और मुकाबला नहीं रद्दा हुआ। हालांकि भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से हरा दिया था।

भारत पर लगेगा आर्थिक जुर्माना

टी20 विश्व कप में अगर भारत अपने पड़ोसी मुल्क से खेलने से मना करता है तो उसे आर्थिक जुर्माने का सामना भी करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों की माने तो भारत लीग मुकाबले में मैच खेलने से इनकार कर सकती है लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनी कि फाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत पाकिस्तान से होती है और भारत नहीं खेलता है तो विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम विश्व कप हार जाएगी और पाकिस्तान को टी20 विश्व कप 2021 का विजेता माना जाएगा।

शाकिब अल हसन ने रचा इतिहास, टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बने गेंदबाज

अल अमेरात (एजेंसी)।

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन रविवार ञ्-20 में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. शाकिब ने अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में स्कॉटलैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के बांग्लादेश के ग्रुप बी मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की. ऑलराउंडर ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 17 रन देकर दो विकेट झटके. इन दो विकेट लेने के साथ ही वह श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड से आगे निकल गए. शाकिब के अब सबसे छोटे प्रारूप टी-20 के 89 मैचों में 108 विकेट हो चुके हैं.

मलिंगा ने 84 मैचों में 107 विकेट लिए थे, जबकि न्यूजीलैंड के टिम साउदी 83 मैचों में 99 विकेट लेने के बाद तीसरे नंबर पर हैं. वहीं चौथे नंबर पर पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी शाहिद अफरीदी हैं जिनके नाम पर 99 मैचों में 98 विकेट है. 5वें नंबर पर अफगानिस्तान के राशिद खान हैं. उन्होंने 51 मैचों में ही 95 विकेट लिए हैं. देखा जाए तो टॉप-5 की इस लिस्ट में से मलिंगा और शाहिद अफरीदी रिटायरमेंट ले चुके हैं. इसका मतलब टिम साउदी और राशिद खान के पास भी मलिंगा से आगे निकलने का मौका है.

दिलचस्प बात यह है कि शाकिब क्रिकेट इतिहास के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने सभी प्रारूपों में 1000 रन और 100 विकेट ले चुके हैं. इस स्टार ऑलराउंडर ने 2006 में अपना टी20ई डेब्यू किया था और तब से अब तक सभी सात टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश के लिए खेल चुके हैं. वहीं शाकिब ने अब तक 600 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. इसमें टेस्ट में 215, वनडे में 277 और टी20 में 108 विकेट शामिल हैं.

आरसीबी के ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को मिली टी-20 वर्ल्ड कप में जगह, बहुत ही पिछड़े जिले से रखते हैं ताल्लुख

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में क्रिकेटर शाहबाज अहमद को जगह मिली है। शाहबाज अहमद देश के पिछड़े जिलों में से एक हरियाणा के नूंह (मेवात) जो कि मुस्लिमबहुल इलाका है वहां से आते हैं। गली में क्रिकेट खेलने वाले 26 साल के इस शाहबाज अहमद ने अपनी कड़ी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जहग बनायी है। शाहबाज अहमद घरेलू (राष्ट्रीय) मैचों में बंगाल के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हैं। आरसीबी के सदस्य शाहबाज अहमद को भी अतिरिक्त खिलाड़ियों की सूची में जोड़ा गया। घरेलू सर्किट में बंगाल के लिए प्रभावशाली रहे ऑलराउंडर इस मौके का फायदा उठाने के लिए बेताब होंगे। अवेश खान, उमरान मलिक, लुकमान मेरीवाला, वेंकटेश अय्यर, कर्ण शर्मा, और के गौतम अन्य अतिरिक्त हैं।

कोहली की नजरें टी20 विश्व कप जीतने पर होंगी : गंभीर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि कप्तान विराट कोहली की नजरें यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप को जीतने पर होगी।

उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में बेहतर करना चाहेगी क्योंकि उन्होंने 2007 के बाद से अबतक टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीता है। कोहली का भारतीय टीम के टी20 टीम के कप्तान के रूप में यह आखिरी टूर्नामेंट होगा।

गंभीर ने स्टार स्पोटर्स से कहा, मुझे यकीन है कि कोहली और पूरी टीम की नजरें बेहतर करने पर होगी, क्योंकि खिताब जीते हुए 14 वर्षो का लंबा समय हो गया है। यह सिर्फ कोहली के लिए नहीं है कि वह आखिरी बार टी20 प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे बल्कि यह टूर्नामेंट जीतने के लिए होगा तथा कोहली भी विजयी कप्तान बनना चाहेंगे।

पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के टी20 विश्व कप में मेंटर के रूप में टीम इंडिया से जुड़ने के बारे में गंभीर ने कहा कि धोनी अपने अनुभव को उन युवा खिलाड़ियों के साथ शेयर करेंगे जो पहली बार इस इवेंट में हिस्सा लेंगे।

गंभीर ने कहा, जो युवा खिलाड़ी पहली बार विश्व कप में खेलेंगे उनके साथ अनुभव शेयर करना काफी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि विश्व कप एकदम अलग होता है। धोनी अपने अनुभवों को इन युवा क्रिकेटरों के साथ साझा करेंगे।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम के लिए एक्स फेक्टर करार दिया।

कैमरून नूरी ने जीता इंडियन वेल्स पुरुष एकल का खिताब

इंडियन वेल्स। वर्ल्ड नंबर 26 खिलाड़ी और ग्रेट ब्रिटेन के कैमरून नूरी ने सोमवार को जॉर्जिया के निकोल्ज बासीलैशविली को 3-6, 6-4, 6-1 से हराकर यहां परिबास ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। नूरी ने 29वीं सीड के खिलाड़ी के खिलाफ 10 विनर्स लगाए, जबकि 25 बेजां भूलें की। नूरी परिबास ओपन जीतने वाले पहले ब्रिटिश के खिलाड़ी बने। नूरी ने कहा, मेरे लिए यह थोड़ा असहज रहा क्योंकि यहां काफी हवा चल रही थी। निकोल्ज ने मेरे खिलाफ काफी विनर्स लगाए। उन्होंने कहा, वह लगातार विनर्स लगा रहे थे, दूसरे सेट में जब गेम 5-4 था तो मैने कुछ बड़े शॉट्स लगाए फिर मेरा आत्मविश्वास लौटा। नूरी ने कहा, मैं अपने टेनिस का काफी आनंद ले रहा हूं मेरे लिए कोर्ट में जाना और कंपीट करना एक बड़ा क्षण रहा। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मैंने काफी सरलता से इस अवसर को संभाला। मुझे लग रहा है कि मैं इस साल अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। मैंने इससे पहले काफी फाइनल हारे हैं पर यह जीत कर मुझे काफी अच्छा लग रहा है।

टी20 विश्व कप 2021: भारत बनाम पाकिस्तान मैच में सानिया मिर्जा करेंगी ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप 2021 शुरू हो गया है. इस विश्व कप सबसे बड़ा मुकाबला 24 अक्टूबर को खेला जाएगा, जब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने होंगी. भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी मैच होता है तो रोमांच अपने चरम पर होता है. इस बार भी 24 तारीख को ऐसा ही कुछ होने वाला है. क्रिकेट फैंस तो इसके लिए तैयार होते ही हैं, साथ ही जो लोग क्रिकेट के बारे में बहुत ज्यादा नहीं जानते, वे भी इस दिन मैच देखते हैं. वैसे भी आपसी सीरीज न होने के कारण भारत और पाकिस्तान के मैच कम होते हैं. इससे पहले दोनों टीमों के बीच साल 2019 के विश्व कप में मुकाबला हुआ था, तब टीम इंडिया ने पाकिस्तान को बुरी तरह से पटकनी दी थी. इस बीच मैच से पहले भारतीय टेनिस स्टार और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक की पत्नी सानिया मिर्जा ने एक बड़ा ऐलान किया है.

सानिया मिर्जा ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान का जिस दिन मैच होगा, उस दिन वे सोशल मीडिया से दूर रहेंगी. उन्होंने साफ तौर पर अपने इंस्टाग्राम पर लिखा है कि मैच के दिन मैं जहरीले माहौल से बचने के लिए सोशल मीडिया से गायब रहूंगी. अपनी इंस्टाग्राम रील में उन्होंने ये सब लिखा है. सानिया मिर्जा के इस फैसले के बाद उनकी इस बात के समर्थन में लोग खूब कमेंट भी कर रहे हैं. इतना ही नहीं टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह ने अपनी बात लिखी है, उन्होंने कहा है कि गुड आइडिया. यानी सानिया मिर्जा आपको अपने वाले कुछ दिनों तक सोशल मीडिया पर नहीं मिलेंगी. भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बाद वे सोशल मीडिया पर मिलेंगी, वे इस दौरान शायद ही कोई पोस्ट डालें.

आपको बता दें कि इससे पहले भी जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होता है तो सानिया मिर्जा को कुछ लोग ट्रोल करने की कोशिश करते हैं. हालांकि टीम इंडिया ज्यादातर मैचों में जीत जाती है, लेकिन इसके बाद भी वे निशाने पर आ ही जाती हैं. भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी मैच विश्व कप 2019 में हुआ था. इसके बाद अब फिर टी20 विश्व कप में ये टीमें आमने सामने हैं. दरअसल सानिया मिर्जा ने जब से शोएब मलिक से शादी की है, तभी से वे कुछ लोगों के निशाने पर रहती हैं. हालांकि ये सानिया मिर्जा का व्यक्तिगत मामला है, लेकिन कुछ लोग इस बात को समझने की कोशिश ही नहीं करते हैं. इस बार भी एक तरफ सानिया मिर्जा के देश के खिलाड़ी खेल रहे होंगे, जिस देश के लिए खुद सानिया मिर्जा ने कई सारे पदक जीत हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पति शोएब मलिक पाकिस्तान की ओर से खेल रहे होंगे.

टीम इंडिया के फील्डिंग कोच श्रीधर ने बीसीसीआई का धन्यवाद दिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच रामाकृष्णन श्रीधर जिनका टीम के साथ टी20 विश्व कप आखिरी दौरा है, उन्होंने राष्ट्रीय टीम की सेवा करने का मौका देने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को धन्यवाद दिया।श्रीधर का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। फील्डिंग कोच ने इंस्टाग्राम के जरिए अपने विचार प्रकट किए। श्रीधर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, अब जब मैं भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच के रूप में अपने अंतिम दौरे पर हूं तो मैं बीसीसीआई को 2014 से 2021 तक टीम की सेवा करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि मैंने अपना काम जुनून, ईमानदारी, प्रतिबद्धता और अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के साथ पूरा किया है। उन्होंने साथ ही मुख्य कोच रवि शास्त्री को भी धन्यवाद दिया जिनका कार्यकाल भी टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। श्रीधर ने कहा, शास्त्री को विशेष रूप से धन्यवाद जो एक प्रेरणास्त्रोत्र लीडर हैं। मैं भाग्यशाली हूं जिसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के साथ काम करने और इन्हें कोचिंग देने का मौका मिला। मैंने रिश्तों को बढ़ावा दिया और यादें बनाईं जिन्हें मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।

इंडियन वेल्स: पाउला बादोसा ने जीता इंडियन वेल्स महिला एकल का खिताब

इंडियन वेल्स। स्पेन की 21वीं सीड पाउला बादोसा ने सोमवार को सीजन के अंतिम इवेंट डब्लूटीए 10000 में बेलारुस की 27वीं रैंक की खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका को 7-6(5), 2-6, 7-6(2) से हराकर परीबास ओपन के महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। इन दोनों खिलाड़ियों का पहली बार फाइनल में आमना-सामना हुआ और बादोसा ने इस इवेंट को जीत कर सीजन का दूसरा डब्लूटीए खिताब जीता। तीन घंटे और चार मिनट तक चला यह मुकाबला इस साल का सबसे लंबे समय तक चलने वाला डब्लूटीए एकल फाइनल रहा, जहां बादोसा ने अपने करियर का सर्वश्रेठ प्रदर्शन दिया। बादोसा अब इंडियन वेल्स के मुख्य ड्रॉ मैचों में 6-0 से आगे है, जिसने अपने मुख्य ड्रॉ के डेब्यू में खिताब पर कब्जा कर लिया है। वह पिछले बार की परीबास ओपन चैंपियन कनाडा की बियांका एंड्रीस्क्यू के नक्शेकदम पर चल रही हैं, जिन्होंने 2019 में अपने टूर्नामेंट की शुरूआत में खिताब जीता था। हैरानी की बात यह है कि बादोसा इंडियन वेल्स का खिताब अपने नाम करने वाले पहली स्पेनिश खिलाड़ी हैं। पूर्व विश्व नंबर 2 कोंचिता मार्टिनेज 1992 में जीत के काफी करीब आई थीं लेकिन उपविजेता रही थीं।

हेड कोच से रिटायर होने के बाद क्या करेंगे रवि शास्त्री? इस भूमिका में फिर से आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 विश्व कप का आगाज हो चुका है। भारतीय टीम का अधिकारिक मुकाबला 24 तारीख को पाकिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा। भारतीय टीम विराट कोहली के नेतृत्व में उतरेगी जबकि कोच रवि शास्त्री होंगे। हालांकि, रवि शास्त्री का कार्यकाल टी-20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। खबर यह है कि 'क्रिकेट के दीवार' राहुल द्रविड़ उनको रिप्लेस करने वाले हैं। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर हेड कोच से रिटायर होने के बाद रवि शास्त्री क्या करेंगे?

2017 से हेड कोच की भूमिका में है

2017 से रवि शास्त्री टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उसके बाद रवि शास्त्री के नेतृत्व में भारतीय टीम का प्रदर्शन देश हो या विदेश, हर जगह अच्छा रहा है। हालांकि टीम को कोई आईसीसी खिताब जीतने का मौका नहीं मिला। इससे पहले रवि शास्त्री बीसीसीआई में अलग-अलग भूमिका में रह चुके हैं। साथ ही साथ भारतीय टीम के साथ कई दौरों पर मैनेजर भी रहे हैं।

अब क्या करेंगे

माना जा रहा है कि हेड कोट से रिटायर होने के बाद वह कमेंट्री करेंगे। रवि शास्त्री एक बार फिर से कमेंट्री की दुनिया में वापसी कर सकते हैं। रवि शास्त्री की दमदार आवाज में उनकी कमेंट्री लोगों को खूब पसंद आती है। कमेंट्री की दुनिया में उन्हें अच्छा खासा अनुभव भी है। रवि शास्त्री बेहतरीन आवाज के मालिक हैं। टी-20 विश्व कप में जब युवराज सिंह ने छह गेंदों पर छह छक्के जमाए थे तब भी रवि शास्त्री दमदार आवाज में कमेंट्री कर रहे थे। भारत ने जब 2011 में विश्व कप जीता था उस समय भी धोनी के विनिंग छक्के पर कमेंट्री रवि शास्त्री ही कर रहे थे। यही कारण है कि रवि शास्त्री की कमेंट्री लोगों को हमेशा याद रहती है। अब हिंदी कमेंट्री का भी चलन हो गया है। ऐसे में रवि शास्त्री हिंदी में भी कमेंट्री कर सकते हैं।

इसके अलावा रवि शास्त्री की नजर आईपीएल पर भी है। आईपीएल में 8 टीमों के अलावा दो और टीमें अगले साल जुड़े रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रवि शास्त्री आईपीएल के किसी टीम की भी मुख्य कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं।

राहुल द्रविड़ होंगे कोच!

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रहे राहुल द्रविड़ अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को आईपीएल फाइनल के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के साथ राहुल द्रविड़ की लंबी बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद राहुल द्रविड़ टीम इंडिया का कोच बनने के लिए राजी हो गए। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच की तलाश खत्म होती दिखाई दे रही है। साथ ही साथ रवि शास्त्री का भी युग खत्म हो जाएगा।

गुजरात की धोलेरा स्मार्ट सिटी में बनी कृत्रिम नदी

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों की नगरी धोलेरा स्मार्ट सिटी जहां एक ओर देश और विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है, वहीं भारतीय उद्यमी अंबरीष परजिया ने यहां मानव निर्मित नहर व मानव निर्मित नदी का निर्माण कर धोलेरा सिटी के आकर्षण में चार चांद लगा दिए हैं । गेप एसोसिएट के निदेशक अंबरीष बताते हैं कि समय की तीव्र गति के साथ समन्वय करते हुए भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वो वैश्विक स्तर पर हर विधा और क्षेत्र में एक नया आयाम और पहचान स्थापित कर सकता है । भारतीय इतिहास के त्रेता युग में अपने पूर्वजों का उद्धार करने के लिए राजा भगीरथ पवित्र 'गंगा' को ब्रह्मलोक से धरती पर लाए थे। वर्तमान काल में ऐसा ही एक भगीरथी प्रयास भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने किया । साबरमती रिवरफ्रंट के स्वप्न को साकार करके तथा इसके बाद स्मार्ट सिटी धोलेरा सर में मानव निर्मित कृत्रिम नदी बनाने की दिशा में किया जा रहा है। वर्ष २०२१ में जब पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है, वहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत इस संकट के निवारण के लिए कार्य करते हुए गुजरात की धरती पर मानव निर्मित नदी के निर्माण को साकार करने में लगे थे। नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने धोलेरा सर में सिंगापुर, दुबई जैसी बिजनेस हब सिटी की नींव रखी थी। इस बड़े स्वप्न को पूरा करने में जुटे व्यवसायी जगत को निर्माण कार्य के लिए जल संकट से सतत जूझना पड़ा था। उस संकट को और अधिक कष्टपूर्ण बनाती थी धोलेरा सर की भौगोलिक स्थिति, जिसके कारण वहां जीवन के लिए उपयोगी पीने के पानी की भी विकराल समस्या थी, लेकिन संकट के पत्थरों से मार्ग बनाने वाले मोदी ने धोलेरा सर के साथ-साथ नव निर्मित नदी के निर्माण की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना भी शुरू की। आज स्थिति यह है कि २५ किलोमीटर क्षेत्रफल में धोलेरा सर स्मार्टसिटी पूरी तरह से बनकर तैयार हो गई है और इसमें भी एक विशिष्ट उपलब्धि के रूप में पांच किलोमीटर लंबी, ११० मीटर चौड़ी और १५ फीट गहरी एक कृत्रिम नदी धोलेरा सर स्मार्टसिटी क्षेत्र में बहने लगी है। ऐसी तीन कृत्रिम नदियों का यहां निर्माण कराने की योजना है। ऐसा विहंगम दृश्य अभी तक दुबई और शंघाई जैसी जगहों में ही देखने को मिलता था। पांच किलोमीटर कृत्रिम नदी पर अभी तक छह पुल बनकर तैयार हो गए है और नदी के आसपास के भू-भाग पर मरीन गार्डन को विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नदी पर बने पुलों को 'रेनवाटर स्टोरेज' के लिए भी उपयोग में लिए जाने की योजना है, ताकि धोलेरा सर स्मार्टसिटी में वर्ष भर जल की आपूर्ति निर्बाध रूप से हो सके । धोलेरा सर स्मार्टसिटी में आगामी ५० वर्ष के औद्योगिक विकास के मद्देनजर ७२ किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग बनाकर तैयार किया गया है। मार्ग के नीचे व आसपास से विद्युतीकरण, इंटरनेट, पानी, ड्रेनेज और गैसलाइन की व्यवस्था की गई है। इसके साथ-साथ रेनवाटर स्टोरेज के लिए जगह-जगह पर ब्लाक व टनल भी बनाए गए हैं। अंबरीष परजिया के अनुसार वर्तमान समय में विश्व में सिंगापुर का वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम उत्कृष्ट माना जाता है, क्योंकि उसमें जल का मात्र सात प्रतिशत भाग ही व्यर्थ जाता है, लेकिन धोलेरा सर स्मार्टसिटी वाटर ट्रीटमेंट के मामले में सिंगापुर से भी आगे निकल जाएंगी, क्योंकि इसके वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम में जल का मात्र पांच प्रतिशत भाग ही व्यर्थ जाएगा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम भारत निर्माण के कार्यों की सूची और उपलब्धियों में धोलेरा सर स्मार्टसिटी प्रोजेक्ट शामिल है। इसके अलावा उनकी अन्य उत्कृष्ट उपलब्धियों में सबसे ऊंची प्रतिमा, सबसे लंबी टनल, सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे, सबसे ऊंचा रेल ब्रिज, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तेज रूप से साकार होती डिजीटल ट्रांजेक्शन सेवा, तेजी से उभरता रेलवे नेटवर्क, दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान और इन सबमें विशिष्ट दुनिया की सबसे बड़ी स्मार्टसिटी धोलेरा परियोजना उदाहरण स्वरूप सम्मिलित की जा सकती हैं, क्योंकि वे सदैव कुछ बड़ा सोचते है, बड़ा स्वप्न देखते हैं और उस स्वप्न को पूरा करने के लिए कार्य करते हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले ही गुजरात 'आप' पार्टी में मतभेद की चर्चा

सूरत । आम आदमी पार्टी ने गुजरात में २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है । नगरीय निकाय में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद पार्टी अब विधानसभा चुनाव जीतने के लिए रणनीति बनाने में जुट गई है । हालांकि, इसके पहले ही पार्टी के बड़े नेताओं के बीच आपसी मतभेदों की बात भी सामने आ रही है । दरअसल, आप पार्टी की बागडोर अब तक गुजरात के अध्यक्ष गोपाल इटालिया संभाले हुए थे । लेकिन, हाल ही में पत्रकार ईशुदान गढ़वी और हीरा कारोबारी महेश सवाणी के पार्टी में शामिल होने के बाद से ही इटालिया की पूछपरख कम हो गई है । चर्चा यह भी है कि पार्टी गढ़वी और सवाणी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी में है । इससे यह चर्चा जोरों पर है कि पार्टी के अध्यक्ष पद से इटालिया को हटाया जा सकता है । हालांकि, अभी तक आप नेता ईशुदान गढ़वी और महेश सवाणी को संगठन में कोई पद नहीं दिया गया है । पार्टी महासचिव मनोज सोरठिया ने भास्कर से हुई बातचीत में कहा कि गढ़वी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के मेंबर हैं और जमीनी स्तर पर उनकी अच्छी पकड़ को देखते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी । इसी तरह महेश सवाणी को भी प्रदेश में पार्टी के वरिष्ठ नेता की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी । ऑपरेशन स्तर के चुनाव बूथ तक की तैयारी आम आदमी की ताकत है और हम उसी के मद्देनजर आगे की रणनीति बना रहे हैं ।

जान बचाने ५वीं मंजिल पर पहुंचे मजदूरों को हाइड्रोलिक लिफ्ट से निकाला

पुलिस ने बताया कि कडोडोरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित इकाई से १०० से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है और घटना में कुछ कर्मचारी झुलस भी गए हैं

सूरत ।

गुजरात में सूरत के कडोडोरा GIDC में आज तड़के में एक पैकेजिंग फैक्ट्री में आग लग गई । घटना में २ मजदूरों की मौत हो गई । १२५ लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। आग से बचने के लिए कई मजदूर पांच मंजिला इमारत से कूद गए, जिससे कुछ के घायल होने की भी खबर है । जबकि हाइड्रोलिक लिफ्ट द्वारा १२५ से ज्यादा मजदूरों को बचा लिया गया है।

जानकारी के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ जब मजदूर तीसरी मंजिल पर काम कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए कथित तौर पर इमारत से छलांग लगा दी, जिसमें दो व्यक्ति की मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि कडोडोरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित इकाई से १०० से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है और घटना में कुछ कर्मचारी झुलस भी गए हैं । बचाव अभियान अब भी जारी है। कडोडोरा के पुलिस निरीक्षक हेमंत पटेल ने बताया कि 'वीवा पैकेजिंग कम्पनी' में तड़के करीब साढ़े चार बजे आग लग गई थी।

आग इकाई की पहली मंजिल पर लगी और तुरंत ही अन्य मंजिलों पर भी फैल गई । इमारत के अंदर फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है । इसी साल अप्रैल में गुजरात के भरूच में पटेल वेलफेयर कोविड अस्पताल में भीषण आग लग गई थी । हादसे में १८ लोगों की मौत हुई थी। इनमें १६ मरीज और २ स्टाफ नर्स थे। इस चार मंजिला अस्पताल में ५० मरीज और भर्ती थे। सभी को सिविल अस्पताल, सेवाश्रम अस्पताल और जंबुसर अल महमूद अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था।

जय माँ नवदूर्गा शक्तिधाम में उत्तरभारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख का स्वागत समारोह

सूरत भूमि, सूरत।

पांडेसरा के हरी ओम नगर सोसायटी में जय मां दुर्गा शक्ति धाम पर आज स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज सूरत शहर प्रमुख राजाराम मिश्रा जी का लोगों द्वारा भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर बाटी चोखा का कार्यक्रम रखा गया था। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अग्रणीयों द्वारा समाज के उत्थान के लिए विचार विमर्श किया गया, हरिओम नगर सोसायटी के प्रमुख बड़ेलाल तिवारी द्वारा स्वागत कार्यक्रम रखा गया इस अवसर पर समाज के आगेवान रोशन मिश्र, आदित्य शुक्ला, शशी भाई दुबे, राजनाथ मिश्रा, कमलेश दुबे, बड़ेलाल तिवारी, सनी पाठक, राजेन्द्र तिवारी, संतोष शुक्ला, पंडित कृपा शास्त्री, महेश मिश्रा, मनोज पांडे, आचार्य लक्ष्मण महाराज, सी.पी. सिंह, अजित सिंह, आदि सामाजिक आगेवान ने उपस्थत रहें।

यूपी के सूबेदारगंज के लिए दो और मऊ के लिए एक त्योहार विशेष ट्रेन चलेगी

सूरत ।

दिवाली पर सूरत और बांद्रा से उत्तर प्रदेश के सूबेदारगंज के लिए दो और मऊ के लिए एक ट्रेन चलेगी । सूरत से करमाली (गोवा) के लिए भी ट्रेन चलेगी। यात्रियों को १८००० सीटों का फायदा मिलेगा। हर ट्रेन में औसतन १५०० सीटें हैं। हर ट्रेन की कम से कम ५ ट्रिप चलाई जाएगी । यूपी की तीन ट्रेनों में यात्रियों को १३५०० सीटें मिलेंगी। दिवाली के लिए रेगुलर ट्रेनें फुल हो चुकी हैं। इनमें बड़ी संख्या में वेटिंग चल रही है। इस बार सूरत और सूरत से होकर चलाई जाने वाली दिवाली फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल भास्कर के पास है। इसके अनुसार सूरत से उत्तर भारत और गोवा के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसी तरह बांद्रा से भी यूपी के अलग-अलग शहरों के लिए वाया सूरत ट्रेनें चलाई जाएंगी । पश्चिम रेलवे इन ट्रेनों की आधिकारिक घोषणा आगामी दो दिनों में करेगी। पश्चिम रेलवे द्वारा इनके अलावा भी और स्पेशल ट्रेनों को संचालित करेगी । इन ट्रेनों के चलने से सूरत से गोवा जाने के लिए दिवाली में यात्रियों को फ्लाइट या बस के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। त्योहार विशेष ट्रेन शुरू होने से यूपी जाने के लिए ताप्ती गंगा, उधना-दानापुर ट्रेन से निर्भरता कम हो जाएगी। इन चारों ट्रेनों की हर ट्रिप में यात्रियों को २० हजार से ज्यादा सीटें मिलेंगी। मौजूदा ट्रेनों की भारी वेटिंग में कमी आएगी और आसानी से टिकट मिलने की भी संभावना होगी। इस बार उधना-मडगांव की बजाय सूरत से करमाली के लिए ०९१८७/८८ स्पेशल ट्रेन चलेगी । यह ट्रेन सूरत से २६ अक्टूबर और २ ,९ ,१६ २३, ३० नवंबर को चलेगी । यह ट्रेन सूरत से हर मंगलवार रात ८.५२ बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर १ बजे करमाली पहुंचेगी । ०९१९३/९४ बांद्रा-मऊ साप्ताहिक स्पेशल बांद्रा से मऊ के बीच ०९१९३/९४ बांद्रा-मऊ स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी हो चुकी है। यह ट्रेन २६ अक्टूबर और २, ९,१६ नवंबर को चलाई जाएगी । यह बांद्रा से हर मंगलवार रात १०.२५ बजे रवाना चलकर तड़के ३.१७ बजे सूरत पहुंचेगी और तीसरे दिन सुबह ९ बजे मऊ पहुंचेगी । यह ट्रेन वडोदरा-रतलाम-कोटा-बयाना-आगरा-इटावा-प्रयागराज-जौनपुर होते हुए मऊ पहुंचेगी । बांद्रा टर्मिनस से भी ०९१९१/९२ सूबेदारगंज स्पेशल ट्रेन चलेगी। ट्रेन २७ अक्टूबर, ३,१०,१७ और २४ नवंबर को चलेगी । यह ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से हर बुधवार शाम ७.२५ बजे रवाना होकर रात ११.२७ बजे सूरत और अगले दिन रात १०.२० बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी । पश्चिम रेलवे ने दिवाली पर ०९११७/१८ सूरत-सूबेदारगंज स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है । यह ट्रेन २२ और २९ अक्टूबर और ५,१२,१९ और २६ नवंबर को चलेगी। यह ट्रेन सूरत से हर शुक्रवार सुबह ६ बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह ७.५० बजे सूबेदारगंज (प्रयागराज) पहुंचेगी। यह ट्रेन वडोदरा-रतलाम-बयाना-आगरा-कानपुर मार्ग से होते हुए सूबेदारगंज पहुंचेगी।

सूरत जिला के कामरेज में नवदुर्गा युवक मंडल के द्वारा संगठन महोत्सव धाम धूम से मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत।

रिटायर्ड आर्मी श्री जय सुख भाई बामणिया प्रदेश भाजपा के मंत्री रघु भाई धूमल डायमंड एसोसिएशन के श्री जुंजाला कॉरपोरेटर महिला श्री मनीषा बेन आहिर सहित अनेक महानुभाव उपस्थत रहे.

संगठन के सूत्र द्वारा समाज परिवर्तन के दिशा में सूरत जिला के कामरेज मैं जय सुख भाई बमभनिया के विशेष प्रयत्नों से नवदुर्गा युवक मंडल द्वारा संगठन महोत्सव का आयोजन खूब धाम धूम पूर्वक हुआ और बहनों को प्रोत्साहित इनाम वितरण सहित अनेक महानुभावों ने अपने प्रवचनों के द्वारा विशेष रुप से विशाल नागरिकों को मार्गदर्शन दिए। यह कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा गुजरात के मंत्री रघु भाई हंबल डायमंड एसोसिएशन के उपप्रमुख जुंजाला रिटायर्ड आर्मी श्री जय सुख बमभनिया कॉरपोरेटर मनीषा बहन आहिर सहित अन्य महानुभाव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सामाजिक संगठन का भाव इस कार्यक्रम में अनेक बहनों ने एवं भाइयों ने बड़ी संख्या में प्रेरणा लिए यह कार्यक्रम सफल बनाने के लिए रिटायर्ड आर्मी जय सुख भाई ने और लालजी भाई सहित नवदुर्गा युवक मंडल के द्वारा सफल आयोजन हुआ।

सूरत भूमि, सूरत।

लॉर्ड बुद्धा मेत्ता संघकाया फाउंडेशन द्वारा संचालित विश्व शांतिदूत महाबोधी बुद्ध विहार मे मनाया 65, वा,अशोका विजयादशमी धम्म चक्र परिवर्तन दिन, कार्यक्रम मे मुख्य उपस्थत पुज्य भंते धम्मरक्षीत जी कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्व शांतिदूत महाबोधी बुद्ध विहार के संस्थापक अध्यक्ष, आद, सुभाषभाई झाडे, बोधाचार्य आयु वाय, डी,सपकाळ गुरुजी, बोधाचार्य आयु गोविन्द पिंपळीसकर बोधाचार्य आयु आत्माराम शिन्दे बामसेफ के सुरत जि प्रभारी सुभाषभाई धुरंधर, भारतीय बौद्ध महासभा के गुजरात प्रभारी आयु लालबहादुर गौतम, लोजपा के गुजरात प्रदेश युवा महामंत्री सि,एम,सोनवणे ,आम आदमी पार्टी के सह मंत्री गणेशभाउ अंभोरे एवं बौद्ध उपासक उपासीका कार्यकर्ता गन उपस्थित थे कार्यक्रम का सूत्र संचालन वंचित बहुजन आघाडी के गुजरात प्रदेश सह प्रभारी आयु बेडसे मास्टर जी ने किया । सभी का आभार व्यक्त करके कार्यक्रम समापन हुआ।

कोसाड आवास मे मनाया खीर दान कार्यक्रम

सूरत भूमि, सूरत! कोसाड आवास में स्थित नवबुद्ध युवक चैरिटेबल ट्रस्ट संचालित भिमरत्न महाबुदध विहार में धम्मचक्र परिवर्तन दिन मनाया गया!ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष रतन निकुम ने बताया कि डोक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने 15अक्टोबरको अपनें हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकारा था!जिससे हर साल 15अक्टोबर को विजयादशमी धम्मचक्र परिवर्तन दिन के रूप में मनाया जाता है! कार्यक्रम में उपप्रमुख धनराज ठाकरे,महामंत्री सुरेश बर्डे,अंबालाल सोनवणे,सहमंत्री आनंद बैसाने,अनुसया निकुम,तथा अन्य कार्यकर्ता एवं विभिन्न समाज के अग्रणी समाज सेवी उपस्थित थे!

सूरत जल्द ही चखेगा आइसक्रीम का 'असली स्वाद', मुंबई का नैचुरल्स पहुंचा सूरत

सूरत के आइसक्रीम प्रेमियों को खुशियां देने के लिए, भारत का सबसे पसंदीदा परंपरागत आइसक्रीम ब्रांड, नैचुरल्सं अब शहर में नई स्टोर लॉन्च कर रहा है। मुंबई का नैचुरल्स अपने ताजा और हाथ से तैयार किये गये आइसक्रीम्स के साथ सूरतवासियों को लुभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

निदेशक, सिद्धांत कामथ बताते हैं, च्च्सूरत में नई स्टोर को लॉन्च किया जाना नैचुरल्स के लिए खास है, क्योंकि सूरतवासियों द्वारा इसे बेहद पसंद किया जाता है। हमने सूरत के लोगों द्वारा वापी और मुंबई आउटलेट्स से आइसक्रीम के टब्सव को घर ले जाते हुए अनेक बार देखा है। साथ ही, समूचे प्रदेश को आइसक्रीम से लगाव है और वो डेसर्ट के हर फॉर्मेट का आनंद लेते हैं। हम हाथ से तैयार किये गये ताजा आइसक्रीम्सस की हमारी रेंज को शहरवासियों के लिए उपलब्धम कराने को लेकर उत्सााहित हैं।ज्ज

गुजरात को देश के कुछ सबसे पुराने आइसक्रीम ब्रांड्स एवं फैक्ट्री ज के लिए जाना जाता है। अहमदाबाद और वापी में नैचुरल्स के आउटलेट्स पहले से ही मौजूद हैं और अब यह गुजरात के अन्य शहरों में भी आइसक्रीम की खुशियां बांटने के उद्देश्यह से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के उत्तम गुणवत्ताम वाले दूध और दूध को मथकर आइसक्रीम के स्वादिष्ट स्कूढप्से बनाने में ब्रांड की स्पेशियाल्टी के साथ नैचुरल्स सर्वोत्तम आइसक्रीम उपलब्ध्ू करा रहा है।

गुजरात और मुंबई का हमेशा से नैचुरल्सथ के साथ भावनात्मक जुड़ाव रहा है। मुंबई से गुजरात या गुजरात से मुंबई आते-जाते लोगों को नैचुरल्सम के उनके पसंदीदा टब लिए हुए देखना अब असामान्य बात नहीं है। लेकिन अब यह ब्रांड सूरत में भी अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है और शहर के आइसक्रीम-प्रेमी अब जमकर इसका आनंद ले सकते हैं। ताजे फलों, उच्च गुणवत्ता। वाले दूध और स्वादिष्ट नॉन-फ्रूट फ्लेवर्स से तैयार किये गये नैचुरल्सफ के आइसक्रीम का यहां के नई स्टोधर से आनंद लिया जा सकता है।

1984 में श्री आरएस कामथ द्वारा मुंबई की जुहू स्कीतम में सिंगल आउटलेट के रूप में स्थापित, नैचुरल्स की लोकप्रियता में पिछले 35 वर्षों में दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ी है। आज, 30 से अधिक शहरों में इसकी 135 आउटलेट्स हैं। नैचुरल्स अपने प्रामाणिक स्वादों और निरंतर नवाचार के चलते लोकप्रिय है। एक ऐसे ब्रांड के लिए जिसने अपनी विशिष्ट मांगें पूरी करने के लिए फ्रूट डीसीडिंग मशीन और निर्माण उपकरण तैयार किये, नैचुरल्स देशी डेसर्ट्स जगत के ब्रांड्स के बीच सही मायने में अग्रणी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)